RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

साझा करें अपने मित्रों से

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 298 | भिलाई, रविवार 14 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

आजादी के 75 साल बाद पहुंची ट्रेन, खुशी से झूम उठे लोग, रेलगाड़ी देखने उमड़ी भीड़

कांकेर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले के एक छोटे से कस्बे अंतागढ़ के निवासियों को आजादी के 75 साल बाद यात्री ट्रेन की सुविधा मिल गई है। जब शनिवार को पहली बार कोदल्ली राजहरा से भानुप्रतापपुर-केवटी होते हुए यात्री ट्रेन अंतागढ़ पहुंची तो वहां मौजूद लोग खुशी से झूम उठे।

अंतागढ़ अब छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से जुड़ गया है। रायपुर और दुर्ग से केवती तक एक विशेष यात्री ट्रेन का मार्ग अंतागढ़ तक बढ़ा दिया गया है। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि कांकेर से भाजपा सांसद मोहन मंडावी ने दोपहर एक बजकर 35 मिनट पर अंतागढ़ स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि अंतागढ़ रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस विधायक अनूप नाग, पूर्व सांसद विक्रम उसेंडी और रेलवे और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पहले दिन अंतागढ़ स्टेशन पर 144 टिकट बिके। यह ट्रेन प्रतिदिन रायपुर से सुबह 09:15 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 01:25 बजे अंतागढ़ पहुंचेगी। यह अंतागढ़ से दोपहर 01:35 बजे प्रस्थान करेगी और शाम 04:40 बजे दुर्ग पहुंचेगी। दल्लीराझारा-रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना के पहले चरण के तहत दल्लीराझारा से रावघाट तक 95 किलोमीटर ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक शिव प्रसाद ने बताया कि अंतागढ़ तक 59 किलोमीटर लंबे मार्ग पर अब एक यात्री ट्रेन सेवा शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साहित्यकार एवं पत्रकार लीलाधर मंडलोई को वसुंधरा सम्मान से किया सम्मानित

लीलाधर मंडलोई ने साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार श्री लीलाधर मंडलोई को वसुंधरा सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक साल साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को इस सम्मान से सम्मानित किया जाता है। मंडलोई जी ने साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। जब मैं पढ़ाई करता था तब मंडलोई जी को रेडियो में बहुत सुनता था। रायपुर आकाशवाणी से प्रसारित उनका कार्यक्रम हम सभी सुनते थे।

उल्लेखनीय है कि वसुंधरा सम्मान स्वर्गीय देवी प्रसाद चौबे की स्मृति में प्रदान किया जाता है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय देवी प्रसाद चौबे को याद करते हुए कहा कि वे ग्रामीण पत्रकारिता के पुरोधा थे। उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में बहुत कार्य किया। वे बलि प्रथा के घोर विरोधी थे। उन्होंने अपने गांव के मंदिर में भी बलि प्रथा बंद करा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचारों में दृढ़ता होनी चाहिए। विचारों की असहमति इस देश की परंपरा रही है। असहमति के सम्मान की भावना इस देश के कण-कण में है। हमारा देश वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना मानने वाला है। हम सभी को संकीर्णता से बचना चाहिए।

स्वर्गीय देवी प्रसाद चौबे की 46वीं पुण्यतिथि पर आयोजित वसुंधरा सम्मान का यह निरंतर 22वां आयोजन है। इस सम्मान के अंतर्गत श्री मंडलोई को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह तथा सम्मान निधि प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन लोक जागरण की मासिक पत्रिका कृति वसुंधरा एवं श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, पद्मश्री भारती बन्धु, पद्मश्री मदन चौहान, वरिष्ठ साहित्यकार विष्णु नागर एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में उन्होंने कहा है कि इस साल भारत को आजादी मिले 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस खुशी में पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हजारों लोगों के कठिन संघर्ष, त्याग और बलिदान से हमें यह अमूल्य आजादी मिली है। अलग-अलग जाति, धर्म, खान-पान, बोली-भाषा और भौगोलिक विविधता वाले भारत की आजादी के बाद उसके स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में सफल होने की आशंका जताई गई थी। लेकिन अनेक चुनौतियों के बावजूद आज भारत पूरे विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सभी अनाम योद्धाओं, शहीदों और वीर जवानों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि जिनके बलबूते आज हम आजाद वातावरण में सांस ले रहे हैं, उन्हें याद कर मन सम्मान और गर्व से भर जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुरखों ने आजादी के बाद जिस लोकतंत्रात्मक गणराज्य का सपना देखा था, उसे पूरा करना हम सब की जिम्मेदारी है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य सरकार गांधीवादी सोच के साथ 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता समाज के सबसे कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने, गांवों को मजबूत करने और हर व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। बुनियादी स्तर पर गांवों को मजबूत करने के लिए किसानों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की पहल की गई है। इसके लिए सुराजी गांव योजना, 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना', गोधन न्याय योजना, गौ-मूत्र खरीदी, भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना जैसी कई लोक हितैषी योजनाएं शुरू की गई हैं। आदिवासियों को वनअधिकार पट्टा और वनोपज का वाजिब दाम दिलाकर उन्हें सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार ने परंपरागत तीज-त्यौहारों के साथ ही लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के प्रयास भी शुरू किए हैं। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना और माटी पूजन दिवस की शुरूआत की गई है। पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार काम कर प्रदेश ने उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ को खास बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में हमर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी लोग अपने घरों, शासकीय कार्यालयों, संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर इस गौरवशाली अवसर पर अपनी भागीदारी निभाएं।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव को राष्ट्रपति वीरता पुलिस पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव को राष्ट्रपति वीरता पुलिस पदक मिलेगा। इस आशय की घोषणा आज हुई है। छत्तीसगढ़ से राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए कुल 27 अधिकारियों का चयन किया गया है। इन सभी को आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रपति पुलिस पदक की चयन सूची जारी कर दी गई है। इसमें दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव को राष्ट्रपति का वीरता पुलिस पदक दिए जाने की घोषणा हुई है। एसटीएफ बघेरा के कमांडेंट विजय पाण्डेय को राष्ट्रपति का सराहनीय पुलिस पदक मिलेगा। वहीं सीआईडी अपराध एवं अनुसंधान पुलिस मुख्यालय रायपुर में आईजी डॉ संजीव शुक्ला का चयन राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक के लिए हुआ है। राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए इस बार छत्तीसगढ़ से कुल 27 अधिकारी व कर्मचारियों का चयन किया गया है। जिनमें 15 को राष्ट्रपति का वीरता पुलिस पदक, 2 को विशिष्ट सेवा पदक और 10 को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा।? तीन को मरणोपरांत राष्ट्रपति वीरता पुलिस पदक दिए जाने की घोषणा हुई है।

संपादकीय

चुप्पी की कूटनीति

ऐसे मुद्दों पर भारत की सोच क्या है– या जिस समय दुनिया साफ तौर पर दो खेमों में बंटती नजर आ रही है, उस समय भारत की विश्व दृष्टि क्या है– यह प्रश्न अपनी जगह बना हुआ है।

ताइवान संकट दुनिया में लगातार सुर्खियों में है। ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास चीन के सैनिक अभ्यास तेज कर देने के फैसले से इस विवाद को लेकर पैदा हुई पैदा हुई गरमी जल्द शांत होने की संभावना नहीं है। इस बीच चीन का दावा है कि अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद से 160 देशों ने बयान जारी कर चीन के रुख का समर्थन किया है। यानी उन्होंने वन चाइना पॉलिसी के प्रति अपनी वचबद्धता दोहराई है। उधर चीन के सैनिक अभ्यास के प्रति पश्चिमी देशों का आक्रामक रुख बना हुआ है। इस बीच जिस एक बड़े देश की आवाज सुनाई नहीं पड़ी है, वह भारत है। इस तरफ तब दुनिया का ध्यान और गया, जब अमेरिका–जापान– ऑस्ट्रेलिया ने एक साझा बयान जारी कर चीन की आलोचना की। ये वो तीन देश हैं, जिनके साथ भारत क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (क्वैड) में शामिल हुआ था। आम समझ है कि क्वैड का मकसद चीन की बढ़ती ताकत को नियंत्रित करना था।

> मुमकिन है, ऐसा होता हो। लेकिन ऐसे मुद्दों पर भारत की सोच क्या है– या जिस समय दुनिया साफ तौर पर दो खेमों में बंटती नजर आ रही है, उस समय भारत की विश्व दृष्टि क्या है– यह प्रश्न अपनी जगह बना हुआ है। यह तो साफ है कि जब तक इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट नहीं होता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत कोई प्रभावशाली भूमिका नहीं निभा पाएगा। चुप्पी की अपनी ताकत होती है, लेकिन शब्द ही आखिर में किसी की पहचान बनाते हैं।

अब प्रश्न यह उठा कि क्या भारत ने इस समूह के सदस्य बाकी तीन देशों की राय से अपने को अलग कर लिया? इसके पहले यूक्रेन युद्ध के मामले में भी भारत का रुख उन तीन देशों से अलग रहा। उसके बाद से ही क्वैड की भूमिका और प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठने लगे। अब चूंकि चीन के मामले में भारत ने खुद को बाकी तीन देशों के साथ शामिल नहीं किया, तो ये सवाल और गंभीर रूप लेंगे। बहरहाल, यह प्रश्न अपनी जगह कायम है कि क्या यूक्रेन या ताइवान जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मसलों पर चुप्पी भारत की ऐसी कूटनीति है, जिससे उसका अपना हित सधता है? मुमकिन है, ऐसा होता हो। लेकिन ऐसे मुद्दों पर भारत की सोच क्या है– या जिस समय दुनिया साफ तौर पर दो खेमों में बंटती नजर आ रही है, उस समय भारत की विश्व दृष्टि क्या है– यह प्रश्न अपनी जगह बना हुआ है। यह तो साफ है कि जब तक इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट नहीं होता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत कोई प्रभावशाली भूमिका नहीं निभा पाएगा। चुप्पी की अपनी ताकत होती है, लेकिन शब्द ही आखिर में किसी की पहचान बनाते हैं।

महंगाई, बेरोजगारी और जातीय जनगणना

बड़ी विपक्षी पार्टियों की तुलना में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव बेहतर रणनीति पर काम करते दिख रहे हैं। संभवत: अच्छे सलाहकारों और मनोज झा जैसे पढ़े–लिखे सांसद की वजह से ऐसा हो लेकिन बताया जा रहा है कि वे राजनीति में मोदी को निशाना बनाने की बजाय मुद्दों पर फोकस कर रहे हैं। उनका सबसे पहला मुद्दा जातीय जनगणना होने वाला है। जानकार सूत्रों के मुताबिक बिहार में जल्दी से जल्दी जातीय जनगणना करा उसके आंकड़े प्रकाशित किए जाएंगे। एक बार जातियों की संख्या सामने आने और आर्थिक सामाजिक स्थिति के आंकड़े आने के बाद तस्वीर और बदल जाएगी।

बिहार वैसे भी मंडल की राजनीति वाला प्रदेश है और नीतीश व तेजस्वी दोनों इस राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं। जातीय जनगणना के आंकड़े उनके इस खेल को मजबूती देंगे। अगर विपक्ष की बाकी पार्टियां भी इस लाइन पर आगे बढ़ती हैं खास कर उत्तर प्रदेश में तो उसका फायदा हो सकता है। इसके अलावा महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा ऐसा है, जिस पर भाजपा भी बैकफुट पर है। बाकी मुद्दों पर विपक्ष खुद घिर जाएगा। लेकिन महंगाई और बेरोजगारी दो ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर भाजपा के पास जवाब नहीं है। अगर विपक्षी पार्टियां सामाजिक समीकरण ठीक करने के लिए जातीय जनगणना पर फोकस करती हैं और आम लोगों से जुड़े महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे उठा कर सरकार को घेरते हैं तो उसका ज्यादा फायदा होगा। लेकिन अगर मोदी को निजी तौर पर निशाना बनाते रहे तो वह बैकफायर कर जाएगा।

बांग्लादेश को बचाए भारत

श्रीलंका और पाकिस्तान की विकट आर्थिक स्थिति पिछले कुछ माह से चल ही रही है और अब बांग्लादेश भी उसी राह पर चलने को मजबूर हो रहा है। जिस बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति दक्षिण एशिया में सबसे तेज मानी जा रही थी, वह अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश के सामने पाकिस्तान की तरह झोली फैलाने को मजबूर हो रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी ढाका का खाली चक्कर लगा लिया लेकिन इस समय बांग्लादेश इतने बड़े कर्ज में डूब गया है कि 13 हजार करोड़ रु. का कर्ज चुकाने के लिए उसके पास कोई इंतजाम नहीं है।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ताइवान के मसले पर चीन को मक्खन लगाने के लिए कह दिया कि वह 'एक चीन नीति' का समर्थन करता है लेकिन वांग यी ने अपनी जेब जरा भी ढीली नहीं की। अंतरराष्ट्रीय कर्ज चुकाने और विदेशी माल खरीदने के लिए हसीना सरकार ने तेल पर 50 प्रतिशत टेक्स बढ़ा दिया है। रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीज़ों के दाम कम से कम 10 प्रतिशत बढ़ गए हैं।

लोगों की आमदनी काफी घट गई है। कोरोना की महामारी ने बांग्लादेश के विदेश व्यापार को भी धक्का पहुंचाया है। बांग्ला टका याने रुपए का दाम 20 प्रतिशत गिर गया है। इस देश में 16–17 करोड़ लोग रहते हैं लेकिन टैक्स भरनेवाले की संख्या सिर्फ 23 लाख है। इस साल तो वह और भी घटेगी। अभी तक ऐसा लग रहा था कि पूरे दक्षिण एशिया में भारत के अलावा बांग्लादेश ही आर्थिक संकट से बचा है लेकिन अब वहां भी श्रीलंका की तरह जनता ने बगावत का झंडा थाम लिया है।

ढाका के अलावा कई शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इसमें शक नहीं कि विरोधी नेता इन प्रदर्शनों को खूब हवा दे रहे हैं लेकिन असलियत यह है कि श्रीलंका और पाकिस्तान की तरह बांग्ला जनता भी अपने ही दम पर अपना गुस्सा प्रकट कर रही है। बांग्लादेश की मदद के लिए उससे गाढ़ी मित्रता गांठनेवाला चीन भी दुबका हुआ है लेकिन शेख हसीना की सही सहायता इस समय भारत ही कर सकता है।

वेद प्रताप वैदिक

> हम लाए हैं तूफ़ान से किश्ती निकाल के, इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के। यह ठीक है कि देश हमने टूटने नहीं दिया, पर यह भी कटु सत्य है कि हम आजादी के लड़ाकों के स्वप्न को पूरा करने में अभी तक कामयाब नहीं हुए हैं। आप सबको आजादी का 'अमृत महोत्सव' मुबारक हो! मुझे भरोसा है कि सौवें साल तक पहुंचने से पहले हम इन चुनौतियों से निपटने में पूर्णतः सफल हो चुके होंगे।

भारतवंशियों की अनोखी दास्तां

शशि शेखर

यह 1960 के दशक की शुरुआत की बात है। जब भी हम गांव जाते, अपने पितामह को विशाल घर के दरवाजे पर बैठा पाते। वह हमेशा लोगों से घिरे रहते और अक्सर पुलकित भाव से कहते सुने जाते कि तुम लोग भाग्यशाली हो, आजाद भारत में पैदा हुए हो।

वह स्वर्गीय सिद्धगोपाल चतुर्वेदी थे, मेरे पिता के चाचा और मैनपुरी षड्यंत्र केस के सजायाफ्ता अभियुक्त। उन्होंने लंबा समय ब्रिटिश भारत की जेलों में काटा। हम बच्चों को उनसे राम प्रसाद 'बिस्मिल', चंद्रशेखर आजाद आदि की कहानियां सुनने को मिलती थीं। बाद में उन्हीं के जरिये अमर शहीद राम प्रसाद 'बिस्मिल' की बहन शास्त्री देवी कई बार हमारे घर अपने पुत्र के साथ आईं। उनकी ससुराल मैनपुरी के कोसमा गांव में थी और बिस्मिल जब उन्हें ससुराल छोड़ने जाते, तो उनके पैरों में पिस्तौलें बांध दिया करते। उन्हें लगता था कि पकड़े जाने पर पुलिस कम से कम बहन की इस तरह से तलाशी तो नहीं लेगी कि पिस्तौलें पकड़ी जाएं। ऐसा कई बार हुआ था। कौन कहता है कि आजादी कुछ दीवानों का ख्वाब था?

यहां बताने में हर्ज नहीं है कि शास्त्री देवी बेहद मुफलिसी में जी रही थीं और उसी में मरीं। उनके पुत्र चाय की दुकान चलाया करते थे। आजादी के बाद हमारा नेतृत्व उन लोगों को इज्जत बख्शने में नाकाम रहा, जो अपनी सेवाओं का खुद ढिंढोरा पीटने से हिचक गए। उन्हें न आजादी की 25वीं वर्षगांठ पर ताम्र–पत्र से नवाजा गया और न ही उनके किसी वंशज को सरकारी नौकरी में आरक्षण मिला। मशहूर लेखक बनारसी दास चतुर्वेदी की कोशिशों से उन्हें 'कभी' 40 रुपये महीने की पेंशन मिलनी शुरू हुई थी, जो बकौल शास्त्री देवी उनका 'अकेला सहारा' थी।

ऐसे लाखों लोगों के अनथक प्रयासों से भारत को आजादी तो मिली, पर वह कैसी थी? मुल्क दो टुकड़ों में बंट गया, लाखों मारे गए और उससे कई गुना अधिक बेघर हुए। गांधी, नेहरू और जिन्ना को शुरू में लगता था कि हम दोनों देश सगे भाइयों की तरह रहेंगे, पर यह सपना 1947 के कबायली हमले के समय ही बिखर गया। अगले साल जिन्ना की मौत ने जैसे इस आसमानी ख्वाब के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी। विभाजन का वह घाव आज तक रिस रहा है और बाद में 1971 में बने मुल्क बांग्लादेश को मिला दें, तो तीन देश इसका दंश भोगने को अभिशप्त हैं।

अफसोस करने के ऐसे तमाम कारण हैं, मगर आजादी के 'अमृत महोत्सव' के मौके पर ऐसा भी बहुत कुछ है, जो हमें गर्व से भर सकता है। आइए, कुछ आंकड़ों से आपको रूबरू कराता हूं। आजादी के वक्त हमारी कुल आबादी 34 करोड़ थी, जो बढ़कर अब 138 करोड़ तक जा पहुंची है। जल्दी ही हम संसार का सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बनने जा रहे हैं। अक्सर माना जाता है कि अधिक आबादी अभिशाप होती है, पर भारत ने अपने जन–बल को बेहतरीन कार्य–बल में तब्दील करने का कमाल किया है। यही वजह है कि हमारी जीडीपी 75 वर्षों में 2.7 लाख करोड़ से बढ़ 147.36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विश्व की कुल सकल आय में

भारत की हिस्सेदारी तब तीन फीसदी होती थी, जो अब 7.2 प्रतिशत हो गई है। पश्चिम कभी हमें संपेरों, आदिवासियों और अशिक्षितों का देश मानता था। आज भारत की साक्षरता दर 78 प्रतिशत के आसपास है और संसार में सर्वाधिक स्नातक भी हिन्दुस्तान के ही पास हैं। कभी इंग्लैंड के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने 'इंडियन इंडिपेंडेंस बिल' की बहस में कहा था– 'अगर भारत को आजादी दी जाती है, तो सत्ता धूर्तों और लुटेरों के हाथों में चली जाएगी। भारतीय नेता अक्षम हैं। उनके पास मीठी जुबान, मगर छोटा दिल है। वे सत्ता के लिए आपस में लड़ेंगे और भारत राजनीतिक झगड़ों में खो जाएगा।'

स्वतंत्रता हासिल करने के साढ़े सात दशकों में भारत और भारतीयों का काम पूर्व हुक्मरानों को आईना दिखाने के लिए काफी है। एक भारतवंशी ऋषि सुनक इंग्लैंड के प्रधानमंत्री पद के प्रबलतम दावेदार हैं। विश्व इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि वंचितों, शोषितों और शासितों के बीच से आया हुआ कोई शख्स शासकों के देश में अपनी बादशाहत की इतनी मजबूत दावेदारी करे। आज नहीं तो कल, इंग्लैंड और अमेरिका सहित तमाम देशों के प्रमुखतम पदों पर भारतवंशियों का आधिपत्य होगा। इतिहासकार गलत नहीं कहते कि यह भारतीयों का ही बूता था कि उन्होंने लगभग सौ साल लंबी लड़ाई लड़ी, जीती और खुद को इस मुकाम पर पहुंचाया कि अब दुनिया हिन्दुस्तान को सबसे तेजी से उभरती आर्थिक ताकत के तौर पर देखती है। यह सिर्फ इसलिए संभव हो सका कि हमने एक समावेशी समाज की स्थापना की।

इसके उलट पाकिस्तान में एक हिंदू महिला के डिप्टी एसपी नियुक्त होने पर 'इंटरनेशनल मीडिया' में सुर्खियां बन जाती हैं, जबकि हिन्दुस्तान में 25 साल पहले ही इंद्रकुमार गुजराल प्रधानमंत्री की कुरसी पर जा बैठे थे। वह बतौर शरणार्थी दिल्ली आए थे और पहली रात स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर गुजारी थी। बाद में 10 साल तक देश का प्रधानमंत्री रहने का गौरव अर्जित करने वाले मनमोहन सिंह और भारतीय जनता पार्टी के सबसे कद्दावर नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी इसी जमात में शामिल हैं। आज भारत में एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। कभी चाय बेचने का काम करने वाले नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा तीन बार मुस्लिम और दो बार दलित कुल में जन्मे लोग राष्ट्रपति की कुरसी तक पहुंचने का गौरव हासिल कर चुके हैं। यह लोकतंत्र के प्रति आस्था नहीं, तो और क्या है कि दलित, आदिवासी और पिछड़े तबकों के लोग समाज–शासन की अगली जमात में बैठ रहे हैं। हर गौरवगाथा की तरह हिन्दुस्तान की कहानी के कुछ स्याह पहलू भी हैं। इधर के सालों में सामाजिक दूरी घटने के बजाय बढ़ी है। आर्थिक विषमता की खाई भी चौड़ी हुई है। देश की कुल आय का 57 प्रतिशत सिर्फ 10 फीसदी लोगों के हाथों में है। किसी को गरीब मानने के सरकारी आंकड़े भी गरीबों का मखौल उड़ाते हैं। नियमानुसार जो व्यक्ति 33 रुपये प्रतिदिन खर्च करता है, उसे निर्धन नहीं माना जाता। कोई आश्चर्य नहीं कि लोग कहते हैं, गोरे साहब चले गए, पर उनकी जगह काले साहिबान ने ले ली।

पता नहीं क्यों, कवि प्रदीप याद आ रहे हैं– हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के, इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के। यह ठीक है कि देश हमने टूटने नहीं दिया, पर यह भी कटु सत्य है कि हम आजादी के लड़ाकों के स्वप्न को पूरा करने में अभी तक कामयाब नहीं हुए हैं। आप सबको आजादी का 'अमृत महोत्सव' मुबारक हो! मुझे भरोसा है कि सौवें साल तक पहुंचने से पहले हम इन चुनौतियों से निपटने में पूर्णत: सफल हो चुके होंगे।

तेरह की उम्र, एवरेस्ट की चोटी और हाथ में तिरंगा

पूर्णा मालावत, पर्वतारोही

आजाद हिन्दुस्तान की शक्लो–सूरत तय करने वाले महानायकों में से एक बाबा साहब आंबेडकर ने कहा था कि किसी समाज की वास्तविक तरक्की को मापना हो, तो उस समाज की औरतों की हालत आंकना। इस मेयार पर हमारे देश ने बीते 75 वर्षों में यकीनन सदियों की दूरी तय की है, हालांकि अब भी इसका लंबा सफर बाकी है। पर बीते साढ़े सात दशकों में भारत की बहन–बेटियों ने क्या कुछ हासिल किया है, इसकी बेमिसाल नजीर हैं– पूर्णा मालावत! सबसे कम उम्र में 25 मई, 2014 को एवरेस्ट फतह करने वाली भारतीय। दुनिया के स्तर पर यह कारनामा करने वाली वह दूसरी पर्वतारोही हैं। अमेरिकी पर्वतारोही जॉर्डन रोमेरो पहले नंबर पर हैं।

तेलंगाना के निजामाबाद जिले में एक गांव है पकाला, पूर्णा ने यहीं पर 10 जून, 2000 को इस दुनिया में पहली बार अपनी आंखें खोली थीं। वह एक जनजातीय समुदाय से आती हैं। पूर्णा के माता–पिता लक्ष्मी व देवीदास मालावत, दोनों खेतिहर मजदूर थे और हाड़तोड़ मेहनत के बावजूद बमुश्किल गुजारा लायक कमा पाते, लेकिन देवीदास की तमन्ना थी कि उनकी बेटी पढ़े–लिखे और गांव से बाहर निकल जिंदगी के तमाम सुख पाए। मगर उनकी आर्थिक स्थिति इसकी इजाजत नहीं देती थी। दुनियादारी की समझ के साथ–साथ पूर्णा की नजरों में माता–पिता की बेबसी स्पष्ट होती गई। वह अक्सर यही सोचा करतीं कि काश! उनके पास कोई जादुई छड़ी होती, और वह अपने माता–पिता की सारी तकलीफें पलक झपकते दूर कर पातीं।

सब जानते थे कि हालात से उबरने की उनके पास एक ही राह है– सब्र के साथ अच्छी शिक्षा। लेकिन पिता निजी स्कूलों की फीस भरने में असमर्थ थे। फिर समाज का अपना दबाव था, जो किशोरावस्था में ही लड़कियों को ब्याहने के लिए अभिभावकों को बाध्य कर देता। सामाजिक दबाव और सपनों की कशमकश के बीच पिता ने बेटी के लिए सबसे लड़ जाने का हौसला बटोरा और पूर्णा को लेकर वह आवासीय सरकारी स्कूल पहुंच गए। पूर्णा इस मामले में भाग्यशाली थीं कि उनके सूबे में ऐसी सुविधा उपलब्ध थी। हालांकि, इसके लिए उनके पिता को कई मोर्चों पर जूझना पड़ा था। वह अपने कुनबे के खिलाफ तो गए ही, भावनाओं के स्तर पर भी उन्हें बेटी को खुद से दूर भेजने की एक मुश्किल जंग लड़नी पड़ी। बेटी तब महज 10 साल की जो थी। तेलंगाना (तत्कालीन आंध्र प्रदेश) में समाज कल्याण मंत्रालय के तहत

ऐसे कई शिक्षण संस्थान दशकों से संचालित होते आ रहे हैं, जो हाशिये के नौनिहालों की तकदीर संवारने में जुटे हुए हैं। आज तेलंगाना के ऐसे 268 आवासीय संस्थानों में करीब डेढ़ लाख बच्चे पढ़ते हैं। पूर्णा को भी एक स्कूल में दाखिला मिल गया। पिता मुत्मइन हुए, और बेटी को तो जैसे परवाज भरने को किसी ने पंख थमा दिए थे। वह काफी लगन से मां–पिता और भाई के सपनों को साकार करने में जुट गईं। स्कूल की खेल–कूद प्रतियोगिताओं में भी पूर्णा ने बढ़–चढ़कर भाग लेना शुरू कर दिया था। वॉलीबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स में खूब दिल लगता था।

एक दिन विभागीय सचिव आरएस प्रवीण कुमार मुआयना करने निकले कि इन स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा, प्रशिक्षण और भोजन मिल भी रहा है या नहीं? इसी क्रम में उनकी नजर पूर्णा पर पड़ी। उन्होंने न केवल खेलों के बारे में पूर्णा का मार्गदर्शन किया, बल्कि सरकार और संस्थान की तरफ से उन्हें भरपूर सहयोग दिलाने का भी भरोसा दिया। प्रवीण कुमार लालायित थे कि इन स्कूलों के बच्चे कुछ ऐसा बड़ा करें, ताकि आदिवासी–वंचित समाज तक उसका पैगाम जाए, और वे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्कूल भेजना शुरू करें। इसलिए जिस भी बच्चे में उन्हें जरा सी क्षमता दिखती, वह तत्परता से उसकी मदद करते।

पूर्णा का चयन 'ऑपरेशन एवरेस्ट' के लिए हुआ। तब वह नौवीं कक्षा में पढ़ रही थीं। कई महीने तक कठिन प्रशिक्षण के दौर से गुजरना हुआ। इस दौरान उन्होंने लद्दाख और दार्जिलिंग में कई चोटियों की चढ़ाई की। लेकिन दार्जिलिंग में 4,880 मीटर ऊंची चोटी की सफल चढ़ाई ने उन्हें मजबूती से यह एहसास कराया कि वह एवरेस्ट फतह कर सकती हैं। लड़कियां भी इन चोटियों पर कदम रख सकती हैं। फिर शुरू हुआ उनके साठ दिनों का एवरेस्ट अभियान और इसके बाद तो बस कीर्तिमान है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सूबे की इस जांबाज बेटी को पांच एकड़ जमीन और 25 लाख रुपये के नकद इनाम से नवाजा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्णा की दिल खोलकर प्रशंसा की। एवरेस्ट फतह करने वाली दुनिया की यह पहली आदिवासी बाला अब तक विश्व के छह महाद्वीपों की छह सबसे ऊंची चोटियों पर भारतीय दमखम का परचम लहरा चुकी है। इनमें अफ्रीकी माउंट किलिमंजारो, यूरोपीय माउंट एल्ब्रस, दक्षिण अमेरिकी माउंट अकोंकागुआ, ओशिनिया क्षेत्र की माउंट कारस्टेंसज और अंटार्कटिका की माउंट विन्सन मासिफ चोटियां शामिल हैं। पूर्णा के जीवन पर राहुल बोस ने एक बायोपिक भी बनाई है– पूर्णा : करेज हैज नो लिमिट।

आज उनके पास नाम और धन, दोनों हैं। उन्होंने माता–पिता को एक सम्मानजनक जिंदगी भी मुहैया करा दी है, पर उस्मानिया यूनिवर्सिटी से राजनीतिशास्त्र में एमए कर रही पूर्णा अब भारतीय प्रशासनिक सेवा में आना चाहती हैं, ताकि वह भी प्रवीण कुमार की तरह वंचितों की ईमानदारी से सेवा कर सकें। हालांकि, जाने–अनजाने उन्होंने अपने समाज और देश की एक बड़ी सेवा कर दी है। उनकी ख्याति और संपन्नता ने हजारों आदिवासी अभिभावकों के दृष्टिकोण बदल दिए हैं। 2014 के बाद से इन सरकारी शिक्षण संस्थानों में इस समुदाय के बेटे–बेटियों की आमद खूब बढ़ गई है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

संसद सत्र का बेहतर इस्तेमाल हो

अजीत द्विवेदी

संसद का मॉनसून सत्र निर्धारित समय से चार दिन पहले ही समाप्त हो गया। सत्रहवीं लोकसभा में यानी मई 2019 के बाद से ऐसा सातवीं बार हुआ है कि सत्र को निर्धारित समय से पहले समाप्त किया गया। इसमें दो साल के करीब कोरोना महामारी का समय भी शामिल है, जब स्थितियां बहुत विषम थीं। तब अगर सत्र का आयोजन नहीं हुआ या सत्र समय से पहले समाप्त हुआ तो उसकी वाजिब वजह थी। लेकिन अभी आजादी के अमृत महोत्सव से ठीक पहले के एक महीने से भी कम समय के सत्र का समय से पहले समाप्त होना हैरान करने वाला है। इसके जो कारण बताए जा रहे हैं वे भी हैरान और निराश करने वाले हैं।

सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया लेकिन सरकार के सूत्रों के हवाले से मीडिया में जो खबरें आईं, उसमें दो कारण बताए गए। पहला कारण तो यह कहा गया कि सरकार के पास विधायी काम नहीं बचे थे इसलिए सत्र समाप्त कर दिया गया। दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि सत्र के आखिरी सप्ताह के दौरान दो छुट्टियां थीं इसलिए सांसद चाहते थे कि सत्र जल्दी समाप्त हो। यह बहुत बचकानी बात है। स्कूलों में बच्चे ऐसा चाहते हैं कि दो दिन की छुट्टी है तो दो दिन और छुट्टी ले लें ताकि पूरा हफ्ता छुट्टी हो जाए। सरकारी कर्मचारी भी ऐसा करते हैं। लेकिन सांसद सरकारी कर्मचारी नहीं होते हैं। वे भारत भाग्य विधाता होते हैं। उन 780 लोगों को देश के 140 करोड लोगों की किस्मत के बारे में फैसला करना होता है। वे इस तरह के बहाने से छुट्टियां लें, यह अच्छी बात नहीं है।

खासतौर से इस सत्र में तो समय से पहले सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के बारे में सोचा भी नहीं जाना चाहिए था क्योंकि पहले दो हफ्ते वैसे ही हंगामे की भेंट चढ़ गए थे। विपक्ष पहले दिन से महंगाई, बेरोजगारी और खाने–पीने की चीजों पर जीएसटी लगाए जाने के मामले पर बहस की मांग कर रहा था लेकिन सरकार किसी न किसी बहाने से इसे टाल रही थी। इस वजह से दोनों सदनों में गतिरोध बना रहा। टकराव इतना बढ़ गया कि दोनों सदनों के 27 सांसद निलंबित भी हुए। इसी दौरान राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के चुनाव भी हुए और सांसद उसमें भी बिजी रहे। सो, कुल मिला कर तीसरे हफ्ते में कुछ कामकाज हुआ और चौथे हफ्ते के पहले दिन सत्र समाप्त हो गया। सत्र के समापन पर खुद राज्यसभा के निवर्तमान सभापति एम वेंकैया नायडू ने बताया कि 16 बैठकों में सिर्फ 35 घंटे कामकाज हुआ और 47 घंटे बरबाद हुए। लोकसभा में इससे थोड़ी बेहतर स्थिति रही। वहां 44 घंटे से थोड़ा ज्यादा काम हुआ और 37 घंटे के करीब समय बरबाद हुआ। इसके बावजूद सत्र चार दिन पहले समाप्त कर दिया गया।

सरकार के सूत्रों के हवाले दिया गया यह तर्क भी पूरी तरह से सही नहीं है कि सरकार के पास विधायी काम नहीं थे। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने बताया कि सरकार को वन्य जीव संरक्षण संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश करना था। इस बिल को लोकसभा ने पास कर दिया है और इसे राज्यसभा में पेश किया जाना था। रमेश ने कहा कि मंगलवार की मुहर्रम की छुट्टी के अगले दिन बुधवार को इस पर बहस के लिए उन्होंने तैयारी कर रखी थी लेकिन सरकार ने सोमवार को सत्र समाप्त कर दिया। आमतौर पर किसी सत्र में अगर एक सदन में कोई बिल पास होता है तो उसी सत्र में उसे दूसरे सदन में भेजा जाता है और पास भी कराया जाता है। लेकिन इस बार कम से कम दो विधेयकों के मामले में ऐसा नहीं हुआ। लोकसभा में सात विधेयक पास हुए लेकिन राज्यसभा सिर्फ पांच ही विधेयक पास हुए।

विधायी कामकाज के अलावा भी संसद सत्र में कई और काम होते हैं। जरूरी मसलों पर सवाल पूछे जाते हैं और मंत्री उनका जवाब देते हैं। हंगामे के बावजूद सवालों के जवाब सदन के पटल पर रखे जाते हैं, जिनसे देश के लोगों को कई बातों की जानकारी मिलती है। इसके अलावा देश के सामने मौजूद ज्वलंत मुद्दों पर संसद के अंदर चर्चा होती है। सरकार ने दो हफ्ते के गतिरोध के बाद महंगाई पर चर्चा कराई लेकिन उसके अलावा कई अहम मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा नहीं हो सकी। सरकार ने सेना में बहाली की दशकों से चल रही प्रक्रिया को बदल दिया है। नियमित बहाली की जगह अग्निपथ योजना लाई गई है, जिसके तहत सेना में चार साल की नौकरी मिलेगी। बहुत बड़ा फैसला है, जो सरकार ने उस समय किया, जब संसद का सत्र नहीं चल रहा था। ऐसे में क्या यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती थी कि वह संसद को इसकी जानकारी दे और इस पर चर्चा कराए? विपक्ष के कई नेताओं ने इस अहम मसले पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था लेकिन सरकार ने चर्चा नहीं कराई।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

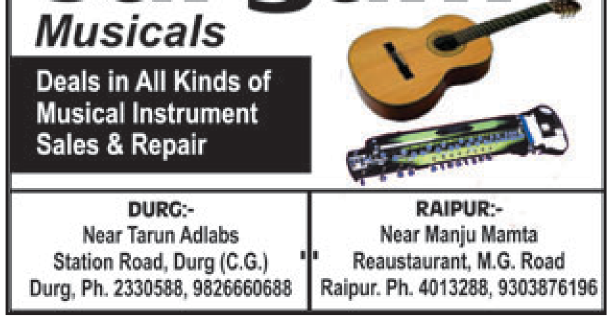

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

शहर में जमने लगा आजादी जश्न का माहौल, घर-घर लहरा रहा तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अपील पर पूरे जिले सहित रायपुर शहर में भी आजादी के जश्न का माहौल जमने लगा है। हमर तिरंगा अभियान के तहत गांव-गांव, शहर-शहर, घर-घर, दुकानों-ऑफिसों में नगर वासी तिरंगा झण्डे लहरा रहे है। आजादी की अमृत महोत्सव के तहत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अपील पर 11 से 17 अगस्त तक हमर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में शहरवासी मुख्यमंत्री के आह्वान पर घर-घर तिरंगा फहराने के लिए शहरवासी खासे उत्साहित है। शहर के अधिकांश घरों में राष्ट्र की पहचान तिरंगा झण्डा आन-बान और शान से लहरा रहा है। नगर वासी अपने घरों में तो तिरंगा झण्डा फहरा ही रहें है साथ ही आस-पड़ोस के दूसरे लोंगो को भी झण्डा फहराने के प्रेरित कर रहें है। कई जगहों पर समूह बनाकर लोग दूसरों को तिरंगें झण्डे बांट भी रहे है।

अमलीडीह की कल्पतरू सोसायटी में बाजे-गाजे के साथ घर-घर फहरा तिरंगा- रायपुर शहर के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड की श्रीजी कल्पतरू सोसायटी में लोगों ने आज गाजे-बाजे के साथ घरों में तिरंगा झण्डा फहराया। सोसायटी के सदस्य समूह में ढोल बजाते हुए निकले और लोगों को तिरंगे झण्डे बांटे। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को आजादी के अमृत महोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं दी। आजादी के जयकारे लगाते हुए देश-भक्ति का माहौल बनाया। सोसायटी के सदस्यों ने पास ही के अमलीडीह गांव में जाकर ग्राम वासियों को भी झण्डे बांटे। सोसायटी के सदस्य एम.जे.सफी ने कहा कि देश-भक्ति के इस अभियान में सभी सदस्यों और नागरिकों की सहभागिता, देश के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण को दर्शाती है, वहीं एक अन्य सदस्य संजय पाटिल ने बताया कि सुबह-सुबह जब ढोल- नगाड़े की आवाज कानों में पड़ी तो ऐसा लगा कि कॉलोनी में कोई उत्सव मनाया जा रहा है।

सभी के घरों पर लहराते तिरंगों और लोगों के हाथों में तिरंगा झण्डा देखकर मन प्रसन्न हो गया। सोसायटी के ही अन्य सदस्यों श्री वरूण गंजीर श्री प्रमोद सुंदरानी, श्री हिमांशु सहानी, श्री दुश्यन्त ठाकुर, श्री अब्राहम लुकास आदि ने भी आजादी के इस अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को याद किया। सभी ने कहा कि यह उत्सव सभी भारतीयों द्वारा आजादी के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले शहीदों को सच्ची श्रद्वांजली है।

उल्लेखनीय है कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक हमर तिरंगा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी नागरिकों को अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आजादी के लिए किए गए सघंर्ष और उसमें अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों की अमर गाथाओं से आज के पीढ़ी को अवगत कराया जा सके और आम लोगों में देश-भक्ति तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान की भावना बढ़े।

इस कार्यक्रम में जिले के सभी सार्वजनिक और शासकीय प्रतिष्ठानों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों के साथ-साथ हर नागरिक परिवार की सक्रिय सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में झण्डा फहराया जा रहा है राज्य शासन के वेबसाइट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से इस कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कर आमजनों को जागरूक किया जा रहा है पॉम्पलेट, बैनर एवं संचार के अन्य माध्यमों से भी झण्डा कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

उन वीरों को कोटि-कोटि नमन जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपनी प्राणों की आहुति दीः डॉ. चरणदास महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत ने कहा है कि उन वीरों को कोटि-कोटि नमन जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपनी प्राणों की आहुति दी और देश को आजाद कराया। डॉ. महंत आज जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा में पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित हमर तिरंगा कार्यक्रम में शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज शहीद परिवार का सम्मान करने का दिन है। उन्होंने कहा कि जो शहीद परिवार आज यहां उपस्थित है उनकी आंखो में गर्व दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम के महत्व के बारे में बताया कि आजादी कैसे मिली, कैसे इसको सहेज कर रखना होगा। अमृत महोत्सव के माध्यम से भारत माता की रक्षा करने वाले सैनिकों, देश को आजादी दिलाने वाले महापुरूषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो को स्मरण कर हम उन्हे सच्ची श्रद्धांजलि दे रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने स्वर्गीय मिनीमाता का स्मरण करते हुए बताया कि उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति और गरीबो के हित में उल्लेखीय कार्य किए। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के 75 वर्षगांठ पर सभी शहीदों के परिवारों को साल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री डॉ. रामसुन्दर दास महंत ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों को सम्मानित कर हम स्वयं गौरन्वित महसूस कर रहे हैं। वीर सैनिकों के बलिदानों से हम स्वतंत्रता की सांस ले रहे है। मैं प्रदेश सरकार को साधुवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि शहीदों के योगदान को हमेशा स्मरण रखे। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि जांजगीर-चांपा जिला देश के नव-निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। यह क्षेत्र शुरू से स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान और सर्वोच्च बलिदान देता रहा है। उन्होंने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल का स्मरण करते हुए कहा उनके नेतृत्व में क्षेत्र के लोगो ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खास खबर

जिले के 15 गौठान होंगे हब के रूप में विकसित, मुख्यमंत्री ने किया डीपीआर का विमोचन

रायपुर। जिले के 15 गौठानों को हब के रूप में विकसित किया जायेगा। इन गौठानों में लोगों की मांग एवं उपलब्धता के आधार पर गतिविधियां संचालित की जायेगी तथा उस अंचल के अन्य गौठानों को इन गौठानों से सम्बद्ध किया जायेगा। हब के रूप में विकसित होने वाले गौठानों को शुरूआत में आर्थिक मदद दी जायेगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और उसके बाद स्वयं अपने गतिविधियों का संचालन कर सकें। ग्रामीणों की आजीविका एवं आय में वृद्धि के लिए जिले में गौठानों के लिए कलस्टर आधारित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया गया है, जिसका विमोचन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा आज चारामा में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस एवं सामाजिक समरसता के अवसर पर किया गया। जिले के विकासखण्ड कांकेर के बेवरती, पोटगांव एवं सरंगपाल, नरहरपुर विकासखण्ड के राजपुर, श्रीगुहान एवं सरोना, चारामा विकासखण्ड के कसावाही, सराधुनवागांव, गितपहर एवं लखनपुरी, कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के डोंडे, अंतागढ़ विकासखण्ड के पोडग़ांव, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के लोहत्तर और भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के चिल्हाटी गौठान को हब के रूप में विकसित किया जायेगा तथा कलस्टर में सम्मिलित अन्य गौठानों को इससे सम्बद्ध किया जायेगा। प्रत्येक चयनित गौठानों में अलग-अलग गतिविधियां जैसे-मुर्गी पालन, सुकर पालन एवं पशु आहार निर्माण इकाई, केज सिस्टम द्वारा लेयर फर्मिंग (अंडा उत्पादन), सब्जी उत्पादन,बकरी पालन, सुकर पालन (आजीविका केन्द्र), मछली पालन, कृषि यंत्र सेवा केन्द्र, वर्षभर चारा उत्पादन इकाई इत्यादि के लिए गौठानों को हब के रूप में विकसित किये जायेंगे।

देश को स्वाधीन कराने तथा राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में आदिवासियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण- मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि देश को स्वाधीन कराने तथा राष्ट्र व समाज के नवनिर्माण में आदिवासी समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री बघेल ने कहा कि पूरे देश की भांति हमारे छत्तीसगढ़ में भी शहीद गुण्डाधुर, परलकोट के जमींदार शहीद गैंदसिंह नायक, सोनाखान के जमींदार शहीद वीर नारायण सिंह सहित अनेक आदिवासी महापुरूषों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का शंखनाद कर अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उन्होंने आदिवासी समाज को शांत, सरल एवं मेहनतकश समाज बताते हुए कहा कि हमारी सरकार आदिवासियों के विकास एवं उनके हितों के संरक्षण के लिए कटिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ भी दी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज बालोद जिले के गुरूर विकासखण्ड के ग्राम कोलिहामार में आदिवासी गोंडवाना सेवा समिति तहसील गुरूर द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस समारोह के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। श्री बघेल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव एवं गोण्डवाना समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिशुपाल शोरी, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद, संजारी-बालोद की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, गोंडवाना समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री नीलकंठ टेकाम सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने ग्राम नारांगाव के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुकालू राम कड़ियाम, स्व.बिसाहू राम गायकवाड़, स्व.पीताम्बर मंडावी, स्व.सरजू राम मंडावी सहित चारों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु उनके प्रतिमा का निर्माण करने के लिए 20 लाख रूपए तथा शासकीय महाविद्यालय गुरूर का नामकरण क्षेत्र की प्रथम आदिवासी विधायक डारन बाई तारम के नाम से करने, आदिवासी सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार हेतु 50 लाख रूपए, प्री.मैट्रिक बालक छात्रावास के 20 सीट को बढ़ाकर 50 सीट किए जाने तथा जीर्णोद्धार हेतु 20 लाख रूपए, मुख्य मार्ग गुरूर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा स्थापित करने के लिए 10 लाख रूपए तथा बालोद के बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण कराने और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरूर का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की है। इसके अलावा उन्होंने ग्राम कोलिहामार ग्राम के विकास के लिए 20 लाख रूपए की राशि स्वीकृत करने तथा विकासखण्ड मुख्यालय गुरूर में पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास खोलने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आदिवासियों के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्गों के विकास एवं कल्याण हेतु राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ किसान एवं मजदूरों को भी सबल एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। इसके लिए राज्य सरकार के द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहिन कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना आदि महत्वपूर्ण योजनाएँ संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 20 अगस्त को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की दूसरी किश्त की राशि किसानों के खाते में जमा कर दी जाएगी। इसके साथ-साथ राज्य में धान के अलावा कोदो-कुटकी, रागी आदि फसलों की भी समर्थन मूल्य में खरीदी की जा रही है।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 65 प्रकार के वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों को उनका वाजिब अधिकार दिलाने हेतु वनाधिकार पत्र, जमीन वापसी, वन संसाधन अधिकार देने आदि का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा राज्य में पेशा कानून के उचित क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राज्य शासन के महत्वाकांक्षी नरवा, गरूवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना तथा गोधन न्याय योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण योजना बताते हुए इसके लाभ के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस योजना के लागू होने से अब राज्य के लोगों को अवारा पशुओं की समस्या से मुक्ति मिलने के साथ-साथ अब गोबर और गोमूत्र से भी आमदनी हो रही है।

विशेष पिछड़ी जनजाति कमार जाति के 19 युवाओं को मिली नौकरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिया नियुक्ति आदेश

कांकेर। चारामा में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर जिले में नरहरपुर तहसील के विभिन्न ग्रामों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार जाति के 19 युवाओं को सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चतुर्थ वर्ग में शासकीय सेवा के लिए नियुक्ति आदेश प्रदान किया।

शासकीय नौकरी मिलने पर कमार जनजाति के युवा ग्राम भैंसमुण्डी के अनुद कुमार, ग्राम मावलीपारा के देवव्रत, ग्राम भीमाडीह के संजय कुमार सहित सभी युवाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आज ग्राम भैंसमुण्डी निवासी अनुद कुमार एवं संत कुमार, ग्राम मावलीपारा के देवव्रत, अर्जुन कुमार, करन कुमार, पुनीत राम, शैलेन्द्र कुमार, कुमारी गंगाबती, श्रीमती नगेश्वरी एवं दिनालाल, ग्राम दलदली के सत्ते सिंह, सन्तुराम, फत्तेसिंह, भीमाडीह के संजय कुमार, चमरूराम मण्डावी, कुमारी कौशिल्या, गंवरसिल्ली के देवराम, ग्राम मुसुरपुट्टा के प्रेमलाल, नयापारा दुधावा के जंगलूराम को आदिवासी विकास विभाग में सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चतुर्थ वर्ग में शासकीय सेवा के लिए नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आज चारामा तहसील के ग्राम पंचायत कसावाही के ग्राम प्रधानडोंगरी में 371.320 हेक्टेयर तथा ग्राम दमकसा में 612.670 हेक्टेयर भूमि का सामुदायिक वन संसाधन हक अधिकार पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले में अब तक 383 सामुदायिक वन संसाधन हक के 29412.34 हेक्टेयर भूमि के मान्यता पत्रों का वितरण किया जा चुका है।

94 फीसदी बच्चे फिर लौटे स्कूलःमेंटर्स करा रहे बच्चों की स्कूल वापसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के प्रचार-प्रसार को लेकर शासन स्तर पर लगातार नए-नए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शाला त्याग चुके बच्चों को पुनः मुख्यधारा में लाना चुनौती रहा है। ऐसे में शाला त्यागी बच्चों के लिए मेंटर्स का निर्धारण भी किया गया है, जो स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से स्कूलों में दाखिला लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और उन्हें स्कूलों तक ला रहे हैं। शासन के इस प्रयास के सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

बीते दो वर्षों के आंकड़ों को देखें तो शैक्षणिक सत्र 2021-22 में प्रारंभिक स्तर में 27,695 शाला त्यागी बच्चे चिन्हित किये गये थे, जिनमें से कुल 26,074 (94.15 प्रतिशत) बच्चों को फिर से स्कूलों तक लाने में सफलता मिली। इसी प्रकार शैक्षणिक सत्र 2022-23 में प्रारंभिक स्तर में 13,737 शाला त्यागी बच्चे चिन्हित किये गये थे, जिनमें से अब तक कुल 11,944 (86.95 प्रतिशत) बच्चों को मुख्यधारा में लाया गया है। वहीं सेकेण्डरी स्तर के शाला त्यागी बच्चों को ओपन स्कूल के माध्यम से परीक्षा दिलवायी जाती है। इसमें शैक्षणिक सत्र 2021-22 में कुल 27,083 एवं शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 18,948 बच्चे ओपन स्कूल के माध्यम से 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में शामिल हुए। कुछ शाला त्यागी बच्चे ऐसे होते हैं, जिनके प्रवेश पश्चात आयु अनुरूप कक्षा में समायोजित नहीं हो पाते है, ऐसे बच्चों को विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी आयु के अनुरूप दक्षता प्राप्त कर शिक्षा की मुख्यधारा में लाया जा रहा है। स्कूली बच्चों के बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने के पीछे प्रमुख कारणों में पालकों की उदासीनता, बच्चों का पढ़ाई में रूचि नहीं लेना, छोटे भाई बहनों की देखभाल, घरेलू कार्यों में सहयोग, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति की कमजोरी का आंकलन किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा शाला त्यागी बच्चों के प्रवेश एवं उनके स्कूलों में बने रहने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इस वर्ष प्रत्येक शाला त्यागी बच्चे के लिए मेन्टर्स का निर्धारण किया गया है, जिनका कार्य ऐसे बच्चों एवं उनके पालकों को शिक्षा एवं शाला के महत्व को समझाते हुए उन्हें नियमित शाला आने के लिए प्रेरित करना है। कोशिश यही है कि बच्चे शाला में प्रवेश ले एवं प्रवेश पश्चात लगातार शाला में बने रहें। मेन्टर्स के रूप में कार्यरत एवं सेवानृवित्त शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारियों के अलावा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

कॉलेजों में प्रवेश 16 तक, फिर बची सीटों के लिए खुली प्रक्रिया अपनाई जाएगी

रायपुर (ए)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों में प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नौ अगस्त से शुरू दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया के तहत छात्र कालेजों में प्रवेश ले रहे हैं। छात्रों के पास 16 अगस्त तक प्रवेश लेने का मौका है। इसके बाद बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया खोल दिया जाएगा। कालेज प्रबंधन अपने अनुसार प्रवेश ले सकेंगे। बता दें प्रवेश के लिए रायपुर के प्रमुख कालेज जिसमें साइंस कालेज, दुर्गा कालेज, छत्तीसगढ़ कालेज, डिग्री गर्ल्स कालेज में प्रवेश के लिए छात्र अधिक रूचि दिखा रहे हैं। बता दें अभी 60 प्रतिशत तक दाखिले हो चुके हैं। इधर राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् ने बीएड व डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की मेरिट सूची 18 अगस्त को जारी होगी।

प्रवेश की प्रक्रिया 25 अगस्त तक चलेगी। रिक्त सीटों की जानकारी 26 अगस्त को दी जाएगी। द्वितीय सूची पांच सितंबर को जारी करेंगे। इसके आधार पर प्रवेश नौ सितंबर तक होंगे। वहीं, द्वितीय चरण के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया 13 सितंबर व तृतीय चरण की काउंसलिंग की प्रक्रिया 19 अक्टूबर से शुरू होगी। इसी तरह डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रथम चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया के लिए आनलाइन पंजीयन 29 जुलाई से तीन अगस्त तक चलेगी।

बीटेक कृषि अभियांत्रिकी के लिए पंजीयन को कल अंतिम दिन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत शासकीय व निजी महाविद्यालयों में संचालित बीटेक कृषि अभियांत्रिकी व बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिले की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू हो रही है। छात्र 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

23 अगस्त 2022 को पीईटी-2022 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को सीट व महाविद्यालय का आबंटन किया जाएगा। अभ्यर्थियों को 24 से 27 अगस्त के मध्य दस्तावेज परीक्षण के लिए स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर में उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने के लिए अभ्यर्थियों को 24 से 28 अगस्त के मध्य आनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा।

सिगरेट, तंबाकू व पान मसाला के विज्ञापनों पर लगी रोक, सभी होर्डिंग्स हटाने के निर्देश

रायपुर (ए)। राज्य सरकार ने सिगरेट, तंबाकू, गुटखा जैसी नशे की सामग्रियों के विज्ञापनों पर रोक लगा दी है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को नशे का प्रचार करने वाले विज्ञापनों की होर्डिंग्स हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन संचालनालय द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 का कड़ाई से पालन करने तथा इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

सभी निगम आयुक्तों, नगर पालिका के सीएमओ तथा नगर पंचायत के सीईओ को जारी पत्र में कहा गया है कि तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लाने एवं कोटपा 2003 के प्रावधानों का पालन करने के लिए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का संचालन सभी जिलों में किया जा रहा है।

पेसा कानून में ग्रामसभा को दिये गये अधिकारों की जानकारी देने चलाया जायेगा जनजागरण अभियानः सीएम भूपेश बघेल

विश्व आदिवासी दिवसः सामाजिक समरसता में शामिल हुए मुख्यमंत्री, 40 करोड़ रूपये के 126 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि पेसा कानून में ग्रामसभा को दिए गए अधिकारों की जानकारी देने के लिए जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री कांकेर जिले के तहसील मुख्यालय चारामा में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर 40 करोड़ 05 लाख रूपये के 126 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया गया। इनमें 18 करोड़ 13 लाख रूपये के 98 कार्यों का भूमिपूजन तथा 21 करोड़ 92 लाख रूपये के 28 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सामाजिक समरसता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है, इसी दिन महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो नारा दिया था। कांकेर जिले के अमर शहीद गेंदसिंह, इन्दरू केंवट, पातर हल्बा ने भी आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया है। भारतीय संविधान के निर्माण में भी ठाकुर रामप्रसाद पोटाई की भूमिका रही है। आज हम स्वतंत्र हैं, आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह आजादी हमें हमारे पुरखों के त्याग और बलिदान से मिली है। देश के निर्माण में हमारे पुरखों का योगदान है, एक-एक व्यक्ति ने देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका निभाई है। हमें सचेत रहकर संविधान का पालन करते हुए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत् हमें अधिकार दिये गये हैं। हम सब संविधान के तहत ही संचालित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चारामा विकासखण्ड के ग्राम जेपरा के बांधापारा में 300 मीटर सीसी रोड निर्माण के लिए 06 लाख रूपये एवं दो किलोमीटर डब्ल्यू बीएम सड़क के लिए 20 लाख रूपये तथा जेपरा के खासपारा में 300 मीटर सीसी रोड निर्माण के लिए 06 लाख रूपये एवं बरकछार के जुर्रीपारा में 300 मीटर सीसी रोड निर्माण के लिए 06 लाख रूपये, चारामा विकासखण्ड के ग्राम कसावाही, सराधुनवागांव एवं लखनपुरी के गौठान को मल्टी एक्टीविटी केन्द्र के रूप में विकसित करने 20 लाख रूपये, भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम चिल्हाटी के गौठान में मिलेट प्रसंस्करण-(कोदो, कुटकी, रागी) प्रसंस्करण एवं लेयर फार्मिंग के लिए 13 लाख रूपये और दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के लोहत्तर गौठान में कृषि यंत्र सेवा केन्द्र तथा मल्टी एक्टीविटी हेतु 17 लाख रूपये स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष मनोज मण्डावी, संसदीय सचिव एवं कांकेर विधानसभा के विधायक शिशुपाल शोरी, गौ-सेवा आयोग के सदस्य नरेन्द्र यादव, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष जीवन ठाकुर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य नितिन पोटाई, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के सदस्य नरेश ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य बीरेश ठाकुर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ला, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, कमिश्नर श्याम धावड़े, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., कलेक्टर कांकेर डॉ. प्रियंका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा सहित आदिवासी समाज प्रमुख, प्रशासन के अधिकारी एवं नागरिकगण बड़ी संख्या में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार से लेकर संस्कृति के संरक्षण के लिए कर रही है कार्य

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पेसा कानून का नियम बना दिया गया है, जिसे बजट में प्रकाशित किया जा चुका है। इस कानून में ग्रामसभा को ताकत दी गई है, गांव के सभी व्यक्ति मिलकर ग्राम हित में फैसला लेंगे। इस कानून से किसी व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला वर्ग सभी अधिकार दिये गये हैं, सब मिलकर लोगों के हित में फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि पेसा कानून नियम में ग्रामसभा को दिये गये अधिकार की जानकारी देने एवं जनजागरूकता के लिए जनजागरण अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार से लेकर संस्कृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। हमारी बोली, भाषा, संस्कृति पर हमें गर्व है, आदिवासी संस्कृति को बचाये रखने के लिए देवगुड़ी, घोटुल निर्माण किया जा रहा है। कांकेर जिले में 05 करोड़ 94 लाख रूपये के 118 देवगुड़ी तथा 06 करोड़ 34 लाख रूपये के 91 घोटुल स्वीकृत किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जा रहे हैं, जिसकी मांग बहुत बढ़ गई है, प्रदेश में 279 अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोले गये हैं। कांकेर जिले में नवीन मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। किसानों के कर्ज माफ किये गये। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को इन्पुट सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना के तहत् द्वितीय किस्त की राशि आगामी 20 अगस्त को जारी कर दी जायेगी। सरकार द्वारा ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल 07 हजार रूपये की सहायता दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्ग के हित में कार्य कर रही है।

कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर हमर तिरंगा रैली में शामिल होकर लोगों का उत्साह किया दोगुना

आजादी के 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान में लोगों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी के अमृत महोत्सव 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के दौरान कवर्धा में आम नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिला मुख्यालय कवर्धा के सभी 27 वार्डों से भ्रमण कर तिरंगा रैली निकाली गई जिसमें प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर तिरंगा रैली में शामिल होकर लोगों का उत्साह दोगुना कर दिया।

जब तिरंगा अभियान रैली कवर्धा शहर के भ्रमण पर निकली तो बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष व बच्चे शामिल हुए। यह तिरंगा यात्रा शहर की जिस-जिस वार्ड में भ्रमण करते हुए आगे बढ़ रही थी, उस दौरान लोग अपने अपने घरों छत बालकनी में खड़े होकर साथ ही हाथ में तिरंगा झंडा लेकर रैली का अभिवादन कर रही थी। इस दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

देश की आन बान शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज लिए तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों के मुंह से सिर्फ यही निकल रहा था भारत माता की जय तिरंगे झंडे की जय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जयकारा लगाया जा रहा था। आज की तिरंगा रैली देखकर यह पंक्ति याद आ गई, सुप्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की रचना - जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं है, पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान के लिए गांव से लेकर शहर तक हर घर में तिरंगा फहराया जा रहा है। देशभक्ति की भावना को विकसित करने के साथ देश के प्रति समर्पित रहने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पहले दिन आम नागरिकों ने अपने अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया।

ज्ञात हो कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 11 से 17 अगस्त तक हर घर झंडा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले वासियों से अपने-अपने घरों में तिरंगा झंडा लगाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किए हैं। उसी के परिणाम स्वरूप लोगों ने स्वर्स्फूत होकर तिरंगा हर घर लहराया। 13 से 15 अगस्त तक समस्त शासकीय कार्यालय सार्वजनिक उपक्रमों सामाजिक संगठनों एवं सर्वसाधारण जन के निवास स्थानों पर ध्वजारोहण किया जा रहा है। पिछले दिनों 48 घंटे मानसूनी बारिश के बाद आज की रैली में इंद्रदेव ने भी लोगों पर बड़ी कृपा की और मौसम पूरी तरह साफ रहा इस कारण रैली में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ और लोग स्वर्स्फूत होकर शरीक हुए। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतितिनधि, युवा वर्ग, फोर्स ऐकडमी के जवान, महिला स्व सहायता समुह से जुड़ी बहने हाथ में तिरंगा लेकर जयघोष के साथ कवर्धा के सभी वार्डो का भ्रमण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर पूरे समय साथ में रहकर उनका मनोबल बढ़ाया। स्वयंसेवी संगठन, व्यापारी संगठनों, गणमान्य नागरिकों द्वारा ऐतिहासिक हमर तिरंगा रैली का जगह-जगह स्वागत और अभिनंदन किया।

कलेक्टर ने की राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

तीन महीने में दस हजार प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। कलेक्टर की निरंतर मॉनिटरिंग से अधिकारियों ने लंबित राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण किया है। पिछले एक महीने में ही 1 हजार एक सौ से अधिक लंबे समय से पेंडिंग पडें राजस्व् प्रकरण निराकृत हो गए है। कलेक्टर ने अधिकारियों से राजस्व प्रकरणों का निराकरण शासन द्वारा निर्धारित समय अवधि में करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने न्यायालय वार राजस्व प्रकरणों के विवरण की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा किए जा रहे नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा से लंबित प्रकरणों में तेजी से कमी आ रही है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि आगामी तीन महिने में दस हजार प्रकरणों का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग राज्य शासन का महत्वपूर्ण विभाग है। संवेदनशीलता एवं तत्परता से प्रकरणों का निराकरण करते हुए आम नागरिकों को लाभ दिलाए।

कलेक्टर ने जिले में चल रहे अवैध प्लाटिंग पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश सभी एसडीएम एवम तहसीलदार को दिए और कहा कि उनका खसरा नंबर भी ब्लॉक किया जाए, ताकि उनकी खरीदी-बिक्री और रजिस्ट्री ना हो सके। उन्होंने 2 वर्ष एवं उससे ऊपर के लंबित प्रकरणों के निराकरण पर जोर देने कहा।

कलेक्टर ने नगर निगम रायपुर के कमिश्नर से मोर मकान मोर आवास योजना की स्थिति की जानकारी लेकर प्रगति लाने कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री मितान योजना के प्रकरणों में मूल दस्तावेज की डिमांड ना करते हुए प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजीव गांधी आश्रम पट्टा योजना के संबंध में सभी प्राधिकृत अधिकारियों से सर्वेक्षित परिवारों की संख्या ,दावा आपत्ति, पात्र अपात्र हितग्राहियों की जानकारी लेकर निर्देशित किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, पुलिस परेड ग्राउंड पर हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड पर हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस का गरिमामय समारोह आयोजित होगा। 15 अगस्त को सुबह 9 बजे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सुबह फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा की मौजुदगी में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे और एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने समारोह के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फुल ड्रेस रिहर्सल में मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी भी ली। इस दौरान हर्ष फायर भी किए गए।

13 प्लाटून करेंगी आकर्षक मार्च पास्ट

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड पर गौरव राम प्रवेश के नेतृत्व में 13 प्लाटून आकर्षक मार्च पास्ट करेंगी।

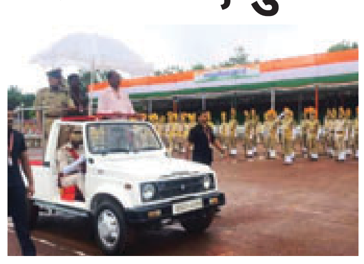

परेड के टू आई सी मनोज कुमार मण्डावी होंगे। सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की पुरूष एवं महिला प्लाटून, छत्तीसगढ़ पुलिस, नगर सेना की पुरूष एवं महिला प्लाटून और एनसीसी की बालक एवं बालिका प्लाटून के साथ पुलिस बैंड प्लाटून भी मार्च पास्ट में शामिल होंगी।

43 पुलिस अधिकारियों को दिए जाएंगे पदक अलंकरण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वतंत्रता दिवस समारोह में 43 पुलिस अधिकारियों को पदक-अलंकरणों से सम्मानित करेंगे। समारोह में भारतीय पुलिस पदक, पुलिस वीरता पदक, पुलिस पदक, सुधारात्मक सेवा पदक, केन्द्रीय गृह मंत्री मेडल और राज्य स्तरीय पुरूस्कार दिए जाएंगे।

3 सर्वश्रेष्ठ गौठानों को भी दिया जाएगा पुरूस्कार राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव योजना के तहत स्थापित किए गए गौठानों में से पूरे प्रदेश में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले 3 गौठानों को भी पुरूस्कृत किया जाएगा। दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड के केसरा, रायपुर जिले के आरंग विकासखण्ड के चटौद और कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के डौण्डे हरनगढ़ गौठान को मुख्यमंत्री बघेल पुरूस्कृत करेंगे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्युरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मनचुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-

मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

छोटे पर्दे के 'महादेव' के रूप में मिली मोहित को पहचान, देसी गर्ल के बन सकते थे हमसफर

छोटे पर्दे के 'महादेव' यानी मोहित रैना मनोरंजन जगत के वो सितारे हैं, जिन्होंने अपने अभिनय के बल पर लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। 14 अगस्त को जन्मे मोहित के 'देवों के देव महादेव' में निभाए गए किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया था और इसी से उन्हें हर घर में पहचान भी मिली थी। जम्मू के रहने वाले मोहित कई टीवी शोज और फिल्मों में अपने अभिनय का जादू दिखा चुके हैं। तो चलिए आज अभिनेता के 40वें जन्मदिन के मौके पर आपको उनके जीवन से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें आपको बताते हैं।

मोहित रैना पढ़ाई में शुरुआत से ही काफी अच्छे थे। ऐसे में उनके पैरेंट्स चाहते थे कि वह सीए बने। हालांकि उन्हें बचपन से ही एक्टिंग करनी थी और 21 साल की उम्र में उन्होंने अपने पैरेंट्स को भी अपनी इच्छा बताई। लेकिन उन्होंने ये कहते हुए मना कर दिया कि मोहित का दिमाग खराब हो गया है। परिवार के लोगों ने भी मोहित को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई आ गए। एक्टिंग डेब्यू से पहले उन्होंने मॉडलिंग में भी हाथ आजमाया और 2005 में मिस्टर इंडिया में हिस्सा लिया।

इसके बाद 2006 में उन्होंने टीवी शो 'अंतरिक्ष' से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि उन्हें पहचान 2011 में 'देवों के देव महादेव' में उनके महादेव के किरदार ने दिलाई। लेकिन ये शो मोहित रैना को मिलने का भी दिलचस्प किस्सा है। दरअसल, मोहित को उनकी पर्सनैलिटी की वजह से महादेव का रोल ऑफर हुआ था। लेकिन उस समय मोहित का वजन 107 किलो था और मेकर्स ने उन्हें वजन घटाने के लिए कहा। इसके बाद मोहित रैना ने 30 किलो वजन घटाया और महादेव के किरदार में छा गए। मोहित 'महाभारत', 'चक्रवर्ती अशोक सम्राट' जैसे शोज का भी हिस्सा रहे हैं।

'देवों के देव महादेव' ने मोहित रैना को इतना फेमस कर दिया था कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की आंटी उनकी शादी मोहित से तय करना चाहती थीं। एक बार इंटरव्यू में प्रियंका चोपड़ा ने बताया था कि 'देवों के देव महादेव' में मोहित को देखकर उनके परिवार वाले उन्हें काफी पसंद करने लगे थे। इसलिए प्रियंका की शादी मोहित से कराना चाहते थे। उनको लगता था कि दोनों की जोड़ी एकदम परफेक्ट रहेगी। अभिनेत्री की आंटी का मानना था कि मोहित एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं एक अच्छे इंसान भी हैं। मोहित को जब यह बात पता चली, तो वह खुश हो गए और हंसते हुए बोले कि प्रियंका एक सुपरस्टार हैं और मैं टीवी एक्टर। इस जन्म में तो नहीं, अगले जन्म में उनका राजकुमार बनकर आऊंगा।

साल की शुरुआत में ही मोहित रैना ने अपनी गर्लफ्रेंड अदिति शर्मा से शादी की है। अदिति टैक बैकग्राउंड से हैं और दोनों की मुलाकात कुछ साल पहले हुई थी। दोनों पहले दोस्त बने और बाद में दोस्ती प्यार में बदल गई। लॉकडाउन के दौरान मोहित ने अदिति के परिवार वालों से उनका हाथ मांगा और दोनों ने शादी कर ली। बता दें कि मोहित 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'शिद्दत' जैसी फिल्मों में भी नजर आए हैं। दोनों ही फिल्मों में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। वहीं, 'गुड न्यूज' में उन्होंने कैमियो किया था। इसके अलावा वह वेब सीरीज 'भौकाल', 'मुंबई डायरीज', 'काफिर' और 'ए वायरल वेडिंग' का भी हिस्सा थे।

पीएम मोदी की राह चले निरहुआ, संघर्ष से कामयाबी की कहानी उतरेगी बड़े परदे पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बायोपिक 'पीएम नरेंद्र मोदी' से प्रभावित हुए भोजपुरी सिनेमा के चोटी के कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ अब अपने जीवन संघर्ष पर बनने जा रही फिल्म में दिखेंगे। जानकारी के मुताबिक इस साल निरहुआ ने जो दो दर्जन के करीब फिल्में साइन की हैं, उनमें से इस फिल्म का काम वह सबसे पहले और सबसे तेजी से निपटाने वाले हैं ताकि अगले लोकसभा चुनाव के समय इसे पूरे देश में रिलीज किया जा सके। अपनी बायोपिक में लीड रोल निरहुआ खुद ही करेंगे।

'अभिनेता से राजनेता' नाम से बनने जा रही निरहुआ की बायोपिक पर काम तेजी से चल रहा है। फिल्म के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश की लोकेशंस देखी जा चुकी है और फिल्म का रिसर्च वर्क भी तकरीबन पूरा हो चुका है। फिल्म बनाने वाली टीम से मिली जानकारी के मुताबिक फिल्म की पटकथा का पहला खाका तैयार हो चुका है। अब निरहुआ के सुझावों के मुताबिक इसमें बदलाव किए जाएंगे और फिल्म का विस्तार ऐसा रखा जाएगा जिससे कि उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक बसे भोजपुरी प्रेमियों को इससे जोड़ा जा सके।

फिल्म 'अभिनेता से राजनेता' का निर्माण अशोक प्रसाद अभिषेक कर रहे हैं। मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले अशोक प्रसाद अभिषेक लंदन में पढ़े लिखे हैं और आई टी प्रोफेशनल हैं। फिल्म के लेखक, निर्देशक के रूप में संतोष मिश्रा का नाम फाइनल हुआ है जो अब तक निरहुआ के साथ 'पटना से पाकिस्तान', 'बम बम बोल रहा है काशी', 'काशी अमरनाथ' और बॉर्डर सहित कई फिल्में बना चुके है ।

इस फिल्म में निरहुआ के संघर्ष से लेकर अभिनेता से राजनेता बनने तक की कहानी दिखाया जाएगा। उनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा है। इसमें निरहुआ के बचपन का किरदार अभिनेता अमरीश सिंह निभाएंगे और फिल्मों में शुरुआत से लेकर राजनेता बनने तक के सफर का किरदार दिनेश लाल यादव निरहुआ खुद निभाएंगे। फिल्म में निरहुआ से जुड़े तमाम कलाकार भी नजर आएंगे जिनका उनके जीवन में विशेष योगदान रहा है। इसमें से आम्रपाली दुबे और पाखी हेगड़े के नाम की मोहर लग चुकी है। रवि किशन और मनोज तिवारी भी फिल्म में अतिथि कलाकार की भूमिका में रहेंगे।

जानकारी के मुताबिक दिनेश लाल यादव निरहुआ इस फिल्म की शूटिंग अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में ही करेंगे। बताया जाता है कि दिनेश लाल यादव ने इस साल 22 फिल्में साइन की है और सभी फिल्मों की शूटिंग वह आजमगढ़ में ही करेंगे ताकि शूटिंग के साथ साथ अपने संसदीय क्षेत्र की जनता की समस्याओं को भी दूर कर सकें और स्थानीय कलाकारों को भी फिल्म में काम करने का मौका मिले। गोरखपुर से सांसद बनने के बाद रवि किशन ने भी कई फिल्मों की शूटिंग अपने संसदीय क्षेत्र में ही की है जिसमें गोरखपुर के कई स्थानीय कलाकारों को काम करने का मौका मिला है।

सड़कों पर बेचे पेन, पिता को ऑपरेशन टेबल पर छोड़ किया शूट, जॉनी लीवर ऐसे बने कॉमेडी के बादशाह

बॉलीवुड में कॉमडी के बेताज बादशाह जॉनी लीवर 14 अगस्त को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करते हैं। जॉनी लीवर ने अपने करियर में तकरीब तीन सौ से ज्यादा हिंदी फिल्मों में अपनी कॉमेडी से लोगों को जमकर हंसाया है। उनका बेहतरीन काम ही उन्हें बॉलीवुड में स्थापित करने में मददगार साबित हुआ। जॉनी लीवर ने कई गंभीर भूमिकाएं भी अदा की लेकिन सही मायनों में उन्हें पहचान कॉमिक टाइमिंग से ही मिली। हालांकि जॉनी लीवर का बॉलीवुड इंडस्ट्री का कोई बैकग्राउंड नहीं रहा है लेकिन वह फिर भी कभी किसी की सिफारिश के मोहताज नहीं रहे। तो चलिए जानते हैं जन्मदिन के मौके पर जानते हैं कि कैस बनाया उन्होंने बॉलीवुड में अपना मुकाम।

घर चलाने के लिए बेचते थे पेन

अपनी बेहतरीन अदाकारी और कॉमिक टाइमिंग के चलते जॉनी लीवर ने करोड़ों लोगों के दिलों को जीता है। हालांकि उनका ये सफर आसान नहीं था। जॉनी लीवर के दो भाई और तीन बहनें हैं, जिनमें जॉनी सबसे बड़े हैं। जॉनी के परिवार को काफी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था, इसलिए उन्होंने अपनी पढ़ाई को छोड़ दिया और पेन बेचने का काम शुरू किया। जॉनी लीवर बचपन से ही बेहद मजाकिया थे और पेन बेचने के लिए उन्होंने बेहद ही अनोखा तरीका ढूंढा। वे अक्सर बॉलीवुड सितारों की तरह डांस करके पेन बेचा करते थे। इससे उनकी बिक्री अच्छी हो जाती थी।

जब पिता को ऑपरेशन टेबल पर छोड़कर किया शूट

जॉनी लीवर वह इंसान हैं, जिन्होंने रोते हुए को भी हंसा दिया है, लेकिन उनका खुद का जीवन भी कम मुसीबतों से घिरा नहीं रहा है। एक्टर ने बड़े से बड़े दुख की घड़ी में भी हंसते हुए काम किया। कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए उन्होंने बताया था कि वह वो दिन कभी नहीं भूलते हैं, जब बीमार पिता को हॉस्पिटल में छोड़कर शूट के लिए गए थे। पिता की टांग का ऑपरेशन होना था लेकिन जॉनी लीवर कॉमेडी सीन की तैयार कर रहे थे।

ऐसे बने जॉनी लीवर

अभिनेता जॉनी लीवर का असली नाम जॉन प्रकाश राव जनुमाला है। जब जॉनी लीवर ने परिवार की मदद के लिए पढ़ाई छोड़कर पेन बेचना शुरू किए तो उनके पिता ने उन्हें हिंदुस्तान लीवर में ही काम दिलवा दिया। जॉनी ज्यादा वजन के ड्रम को भी एक जगह से दूसरी जगह बड़ी आसानी स पहुंचा दिया करते थे और काम के दौरान वह कंपनी के दोस्तों के बीच एक्टिंग कॉमेडी करके उनको खूब हंसाते थे। यहीं से उनका नाम जॉन प्रकाश राव जनुमाला से जॉनी लीवर पड़ गया।

ऐसे मिला बॉलीवुड में काम

जॉनी लीवर कॉमेडी के साथ ही मिमिक्री करने में भी माहिर थे। उन्होंने अपनी शुरुआत एक स्टैंडअप कॉमेडियन के तौर पर की थी वह स्टेज शोज किया करते थे। ऐसे ही एक स्टेज शो में सुनील दत्त की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने जॉनी लीवर को फिल्म 'दर्द का रिश्ता' में पहला ब्रेक दिया। पहली ही फिल्म के बाद से जॉनी लीवर का बॉलीवुड में जो सफर शुरू हुआ तो उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। वैसे तो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है लेकिन उनकी मुख्य फिल्मों में 'राजा हिंदुस्तानी', 'जुदाई', 'चालबाज', 'बाजीगर', 'यस बॉस', 'इश्क', 'आंटी नंबर 1', 'दूल्हे राजा', 'कुछ कुछ होता है', जैसी फिल्में हैं। इसके अलावा उन्होंने गोल माल और एंटरटेनमेंट जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

कार्थी की 'विरुमन' ने दी अक्षय की 'रक्षा बंधन' को मात

बॉक्स ऑफिस पर इस हफ्ते कई फिल्मों के बीच टक्कर होती दिखाई दे रही है। एक ओर जहां आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' रिलीज के बाद भी विवादों में घिरती नजर आ रही है, तो अक्षय कुमार की फिल्म 'रक्षा बंधन' को भी दर्शकों का मिला-जुला रिस्पांस मिल रहा है। दोनों ही फिल्मों के बीच एडवांस बुकिंग के समय से ही भिड़ंत देखने को मिल रही है। इसके साथ ही साउथ की भी कई फिल्मों ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है, जिनमें कार्थी की 'विरुमन' अक्षय कुमार की फिल्म को जबरदस्त टक्कर दे रही है। तो चलिए देखते हैं कि शनिवार को किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बाजी मारी और कौन किससे आगे निकलने में सफल रहा है।

रक्षा बंधन

अक्षय कुमार की 'रक्षा बंधन' को समीक्षकों द्वारा मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद भी बढ़िया रिस्पांस नहीं मिल रहा है। इस साल रिलीज हुई अक्षय कुमार कि यह तीसरी फिल्म थी, ऐसे में मेकर्स को उम्मीद थी कि शायद दो फ्लॉप देने के बाद भाई-बहन के प्यार की कहानी अक्षय की नैया भी पार लगा देगी। लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म के तीसरे दिन के कारोबार में मामूली बढ़त देखने को मिली है। लेकिन अभी भी इसकी कमाई 'लाल सिंह चड्ढा' से कम है। तीसरे दिन 'रक्षा बंधन' ने 6.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है और अब इसका कुल कारोबार 23.40 करोड़ रुपये हो गया है।

विरुमन

एम. मुथैया द्वारा निर्देशित और लिखित 'विरुमन' को दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म की दूसरे दिन की कमाई में भी बढ़त देखने को मिली है। 'विरुमन' ने पहले दिन जहां 7.50 करोड़ का कारोबार किया था, तो शुरुआती आंकड़ों के अनुसार दूसरे दिन की कमाई 8 करोड़ रुपये हुई है। फिल्म की दूसरे दिन की कमाई अक्षय कुमार की 'रक्षा बंधन' से आगे निकल गई है और 'विरुमन' का कुल कलेक्शन 15.50 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म में कार्थी, अदिति शंकर और प्रकाश राज मुख्य भूमिका में हैं।

कार्तिकेय 2: धर्म और आधुनिकता का सटीक सम्मिश्रण, कृष्ण के आकर्षण से सधी कहानी

मौजूदा दौर के हिंदुस्तान की भावनाओं का उफान समझकर उसी के हिसाब से बन रहे दक्षिण भारतीय सिनेमा में भले इन दिनों फिल्में बनाने के बजट को लेकर तगड़ी बहस चल रही हो, लेकिन वहां की फिल्मों की तरफ हिंदी पट्टी के दर्शक अब भी आशा भरी नजरें लगाए रहते हैं। 'बाहुबली' सीरीज की फिल्मों के बाद 'आरआरआर' की कामयाबी ने अतीत की कहानियों को भारतीय संस्कृति की खुशबू के साथ परोसने का एक नया दौर शुरू किया है और इसी दौर की नई तेलुगू फिल्म है, 'कार्तिकेय 2'। ये फिल्म अपनी मूल भाषा के साथ ही तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज हुई है।

सनातन संस्कृति का गौरवशाली इतिहास

कृष्णा इज ट्रुथ यानी कृष्ण ही सत्य है, को फिल्म 'कार्तिकेय 2' ने अपना आधार बनाया है। फिल्म की कहानी डॉक्टर कार्तिक से शुरू होती है जिसे हॉस्पिटल से एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया जाता है तो वह अपनी मां के साथ द्वारकापुरी घूमने आता है। वहां कुछ लोग उसके जान के पीछे पड़ जाते है, लेकिन उसको समझ में नहीं आता है कि क्यों ये लोग उसे मरना चाहते है? तभी उसे द्वारका के एक रहस्य के बारे में पता चलता है जिसकी खोज में वह वृन्दावन से होता हुआ हिमालय पहुंचता है। यहां उसकी मुलाकात धन्वन्तरि से होती है, जो कृष्ण के स्वरूप और उनके कार्यों को बताते है। इस खोज में उसकी मदद करने के लिए कहानी के बाकी किरदार आगे आते हैं। फिल्म 'कार्तिकेय 2' के माध्यम से हिन्दू धर्म की सनातन परंपरा को दिखाया गया है जिसने पश्चिमी सभ्यता को बहुत कुछ दिया है और अब भी दे रही है।

ईष्टदेव के निर्वाण से जुड़ी कथा

'कार्तिकेय 2' दरअसल साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'कार्तिकेय' का सीक्वल है। डॉक्टर कार्तिक भगवान कृष्ण का कड़ा हासिल करके आता है और दुनिया को उसके फायदे बताता है कि किस तरह से आगे आने वाली महामारी को उस कड़े से रोका जा सकता है। यहां इस फिल्म की कहानी खत्म होती है और आगे की कहानी का क्लू छोड़ देती है। इससे समझ में आता है कि इस फिल्म का पार्ट 3 भी बनेगा। फिल्म में कृष्ण का किरदार ग्राफिक्स के जरिये पेश किया गया है। फिल्म में कृष्ण को लेकर तमाम

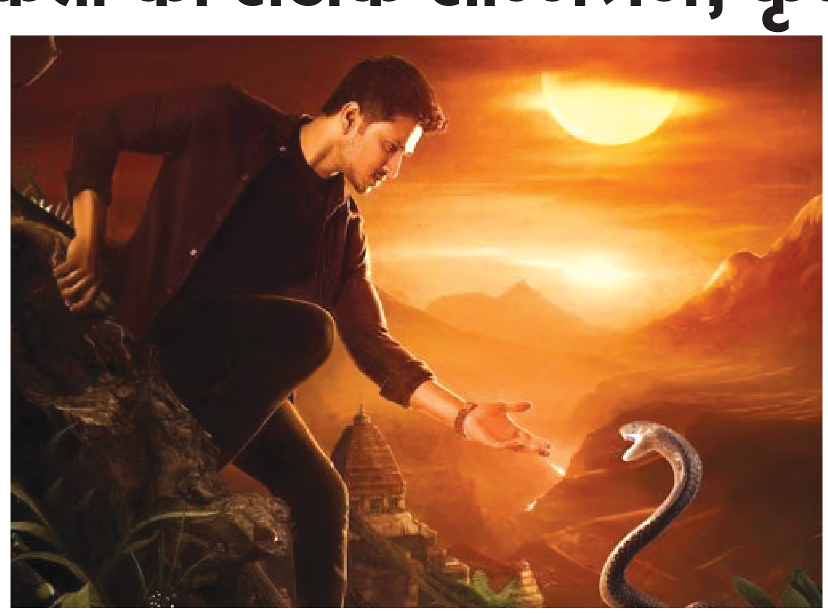

खुलासे हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओँ के अनुसार अपने ईष्टदेव के अवसान की कहानियां सुनाना, पढ़ना या सुनना वर्जित है। इसी के चलते तुलसीदास लिखित रामचरित मानस का आठवां अध्याय यानी लवकुश कांड नहीं पढ़ा जाता है। फिल्म 'कार्तिकेय 2' कृष्ण के अवसान की कहानी कहने में इन वर्जनाओं को तोड़ती है।

अनुपम खेर का प्रभावशाली अभिनय

फिल्म 'कार्तिकेय 2' में डॉक्टर कार्तिक की भूमिका में निखिल सिद्धार्थ ने निभाई है। हर सीन में उनकी मेहनत साफझलकती है। फिल्म में बहुत सारे एक्शन सीन भी है, जिसे उन्होंने बखूबी किया है। फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' के निर्माताओँ की साझेदारी में बनी इस फिल्म में अनुपम खेर भी अरसे बाद किसी दक्षिण भारतीय फिल्म में दिखे हैं। अपनी चिर परिचित अदाकारी से अनुपम खेर ने फिर अपना प्रभाव फिल्म के कथानक पर छोड़ा है। वह कहानी के कथन में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। मुग्धा के किरदार में अनुपमा परमेश्वरन, सदानंद के किरदार में श्रीनिवास रेड्डी, सुलेमान के किरदार में हर्ष चेमूडु और शांतनु के किरदार में आदित्य मेनन का काम सराहनीय है। फिल्म के बाकी कलाकारों ने भी संतोषजनक काम किया है।

कहीं चमकी, कहीं चूकी फिल्म

निर्देशक चंदू मोंडेती ने फिल्म 'कार्तिकेय 2' की कहानी भी खुद ही लिखी है। फिल्म का जो विषय उन्होंने चुना है, उसको पूरी तरह से पर्दे पर अच्छे तरीके से पेश करने की कोशिश भी भरपूर की है। इंटरवल के पहले कुछ जगह सीन थोड़े कमजोर लगते है, लेकिन फिल्म की खासियत यह है कि वह अपने विषय से भटके नहीं। इस फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसकी सिनेमैटोग्राफी है। फिल्म की कहानी जब द्वारकापूरी से वृंदावन होते हुए हिमायल पर पहुंचती तो उस दृश्य को देखते हुए ऐसा महसूस होता है कि दर्शक वाकई हिमालय की खूबसूरत वादियों में पहुंच गए हों। सिनेमैटोग्राफर कार्तिक घट्टामनेनी ने ही इस फिल्म को सम्पादित भी किया है। फिल्म का कमजोर पक्ष है इसका संगीत जो उत्तर भारतीय संवेदनाओं पर खरा नहीं उतरता। फिल्म के स्पेशल इफेक्ट्स ध्यान खींचते हैं।

देखें कि न देखें

एक घंटे पचास मिनट की फिल्म 'कार्तिकेय 2' में सनातन धर्म को विज्ञान से जोड़कर दिखया गया है। साथ में ये भी बताने की कोशिश की गई है कि आज के युग में भी कृष्ण हमारे लिए कितने उपयोगी है। फिल्म उन्हें एक अच्छे वास्तुशिल्पी और एक बेहतर संगीतकार के तौर पर भी प्रस्तुत करती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा में रुचि रखने वालों के लिए य फिल्म 'कार्तिकेय 2' पारिवारिक मनोरंजन का अच्छा माध्यम दिखती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राज्यपाल सुश्री उइके ने भारतीय सेना के वीरता पुरस्कार प्राप्त जवानों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में एण्टी नक्सल टास्क फोर्स रायपुर द्वारा भारतीय सेना के गैलेन्ट्री अवार्ड विजेताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने देश के वीर जवानों और शहीदों को नमन एवं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इन जवानों के समर्पण, त्याग और बलिदान से ही हम अपनी आजादी का उत्सव मना रहे हैं। देश के जवानों का सम्मान उनके लिए अत्यंत गौरव की बात है।

उन्होंने जवानों के परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की रक्षा में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। उनके सहयोग, समर्पण, विश्वास एवं देश के प्रति अगाध प्रेम के कारण ही, हमारे जवान देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभा पाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जल, थल और गगन में हमारी सेनाओं की बढ़ती ताकत ने देश को विश्व पटल पर सामरिक रूप से मजबूत किया है। आजादी के बाद देश ने रक्षा क्षेत्र में अपनी क्षमता विकसित की और आज आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर है। कठिन परिस्थितियों में सियाचीन से लेकर सागर के तटों तक हमारे जवान डटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रति प्रेम ही हमारे जवानों के ऊर्जा का स्त्रोत है जिससे वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी बुलंद हौसलों के साथ देश की सीमा की सुरक्षा में सतर्क होकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के जवानों ने देश के लिए ऑपरेशन विजय, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक जैसे कई महत्वपूर्ण अभियानों में अपनी भूमिका निभाई और लाखों सैनिकों ने भी देश की सेवा में अपने प्राणों की आहूति भी दी है। देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूल पायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि इस आजादी को पाने के लिए लाखों लोगों ने अपनी शहादत दी है। इस आजादी को बनाये रखने में भी हम सभी को पूर्ण रूप से समर्पित होना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में नक्सली घटनाओं में हमने अपने देश के कई वीर जवानों को खोया है। देश के आंतरिक सुरक्षा में जवानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि नक्सली गतिविधियों में घायल जवानों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने के साथ कई ऐसे अभियान हैं जिनमें वायु सेना के जवानों एवं अर्द्धसैनिक बलों का अमूल्य सहयोग छत्तीसगढ़ को मिल रहा है। अग्निवीर योजना के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आरंभ किए गए इस योजना से सेना में युवाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा । इससे बड़ी संख्या में युवाओं को देश की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। इससे छत्तीसगढ़ के युवा भी लाभान्वित होंगे।इस अवसर पर राज्यपाल सुश्री उइके ने देश-प्रदेश के सभी लोगों से आग्रह किया कि जिस प्रकार सेना के जवान देश की सेवा और रक्षा करते हैं, हमें भी संविधान में उल्लेखित मौलिक कर्तव्यों का पालन करते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

राज्यपाल सुश्री उइके ने इस सम्मान समारोह में भारतीय सेना के वीर चक्र, शौर्य चक्र और सेना मेडल प्राप्त सेना के 11 जवानों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने ग्रुप कैप्टन द्वय पंकज जायसवाल और मंजीत सिंह सिद्धू, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर प्रनब कुमार लहरे, कर्नल सुदीप कुमार मिश्रा एवं एस. ई. पी. गणेश राम को सम्मानित किया। साथ ही मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले जवानों लेफ्टिनेंट राजीव पाण्डेय, एन. के. कौशल यादव, कार्पोरल निलेश नयन, लेफ्टिनेंट पंकज विक्रम, एस. ई. पी. सुरजीत सिंह एवं एस. ई. पी. बलराम ध्रुव के सम्मान में उनके परिजनों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

खास खबर

नेशनल लोक अदालत में 5102 प्रकरणों का हुआ निराकरण

रायगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2022 में आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के अनुक्रम में मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाकर राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये हैं। उक्त लोक अदालत में प्रकरणों कें पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किये गये हैं। नेशनल लोक अदालत, जो वर्चुअल एवं फिजिकल दोनों माध्यमों से जिला न्यायालय रायगढ़, तहसील न्यायालय सारंगढ़, घरघोड़ा, धरमजयगढ़ एवं खरसिया सहित राजस्व न्यायालयों में आयोजित किया गया। रायगढ जिला में लोक अदालत का कार्य यद्यपि, भारी बारिश से प्रभावित रहा, किन्तु फिर भी जिला मुख्यालय सहित तहसील स्थित सिविल न्यायालयों में गठित कुल 19 खण्डपीठों में लंबित प्रकरण 1948 एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण 13488 को लोक अदालत में रखा गया।

बीएसपी स्कूलों के 3 हजार छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाल किया जागरूक

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के षिक्षा विभाग द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 अगस्त 2022 को महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती षिखा दुबे के कुशल मार्गदर्शन में 'प्रभात फेरी' का आयोजन किया। प्रभात फेरी में बीएसपी के सभी 15 विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें भिलाई टाउनषिप के 13 विद्यालय तथा 1 राजहरा स्थित विद्यालय और 1 हिर्री माइन्स स्थित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस प्रभात फेरी में भाग लेकर देषभक्ति का अलख जगाया। सेल-बीएसपी के 15 स्कूलों के लगभग 3000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने स्कूली क्षेत्रों में हाथ में तिरंगा लेकर देषभक्ति के नारे लगाते हुए विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों में देष के आज़ादी के प्रति जागरूक किया। छात्रों में तिरंगा और देष के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला।

भारतीय मूल्यों और ज्ञान को दुनिया तक ले जाने की जिम्मेदारी युवाओं पर : धर्मेंद्र प्रधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज नई दिल्ली में युवा संवाद इंडिया 2047 कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल रा'य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में मुक्केबाज़ निकहत जरीन, रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी, भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी पी. आर. श्रीजेश, पर्वतारोही श्रीमती अरुणिमा सिन्हा और मोटिवेशनल स्पीकर आभा मर्यादा बनर्जी भी उपस्थित थीं। युवा कार्यक्रम सचिव संजय कुमार और अन्य गणमान्य लोग भी यहां मौजूद थे।

इस अवसर पर प्रधान ने कहा कि अपने हजारों वर्षों के इतिहास में हमारी युवा शक्ति ने ही अपने देश की नियति को आकार देने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद बाजी राउत, रानी गाइदिन्ल्यू एवं उनके जैसे अनगिनत लोगों ने हमें प्रेरित किया और अपनी युवावस्था में आगे बढकर नेतृत्व किया। मंत्री महोदय ने कहा कि भारत के पास अपनी समृद्ध सभ्यता की विशाल जड़ें हैं। इस विरासत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी हमारी उत्साही युवा जनसंख्या पर है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारतीय मूल्यों, लोकाचार, ज्ञान और मॉडलों को दुनिया के सामने ले जाने की जिम्मेदारी हमारे युवाओं पर है। जिस भावना और ईमानदारी के साथ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, हमारे आज के युवाओं को भी भारत को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए वही भावना और ईमानदारी खुद में विकसित करनी चाहिए, खासकर अमृत काल के इन 25 वर्षों में। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि, जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा कहते हैं, युवा वो इंजन हैं जो देश को कामयाबी की ओर ले जाते हैं। अब हमारे युवाओं का ये कर्तव्य है कि वे अमृत काल के दौरान देश को कामयाबी के शिखर की ओर ले जाएं। अमृत काल में युवाओं को अमृत लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ा योगदान देना होगा और देश को विश्वगुरु बनाना होगा।

ठाकुर ने आगे कहा कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने और अपने विचार साझा करने के लिए युवाओं को एक मंच देने हेतु युवा कार्यक्रम विभाग देश भर में 750 युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगा। मंत्री महोदय ने कहा कि देश में युवाओं की तरक्की और विकास के लिए चार ई प्रमुख हैं- एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, एंपावरमेंट।

स्वयंसेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि प्रत्येक युवा स्वयंसेवा के माध्यम से राष्ट्र को सेवा प्रदान कर सकता है। ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, फिट इंडिया, स्व'छ भारत, नशा मुक्ति अभियान, पोषण अभियान- ये ऐसे कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जिनमें युवा अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। अनुराग ठाकुर ने युवाओं से हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने का आग्रह किया। तिरंगा 1×0 करोड़ भारतीयों की एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी, लेकिन देश को विश्वगुरु बनाने के लिए अब युवाओं से बलिदान नहीं योगदान की दरकार है। सभा को संबोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल रा'य मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

बरसात भी रोक नहीं सकी देशभक्ति के जज्बे को

100 मीटर के तिरंगे से पूरे शहर में बना माहौल, चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आजादी के 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शनिवार को संस्कार पब्लिक स्कूल और विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तिरंगा यात्रा आयोजित की गई जो पूरे शहर में छाई रही। विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष विजय शर्मा मार्बल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा के नेतृत्व में संस्कार पब्लिक स्कूल के साथ मिलकर तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसकी चहुंओर प्रशंसा और चर्चा हो रही है।

स्थानीय नटवर स्कूल मैदान से आरम्भ हो कर तिंरगा यात्रा सत्तीगुड़ी चौक, घड़ी चौक, हंडी चौक, गांधी पुतला चौक स्टेशन चौंक से होकर वापस नटवर स्कूल मैदान लौटी, इस दौरान स्कूल के बच्चों का, विप्र फाउंडेशन के सदस्यों का, शहरवासियों का, शिक्षकों का उत्साह लाजवाब रहा। जगह जगह स्वागत किया गया, पूरे रास्ते भर देशभक्ति गीत से लोग ओतप्रोत रहे। प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने बताया कि पूरे तिरंगा यात्रा के दौरान स्कूल के बच्चों ने अनेक स्थानों पर देशभक्ति गीत पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया, चौंक चौराहे पर लोगों ने खड़े होकर स्वागत किया।

सीईओ ज़िला पंचायत मिश्रा भी हुए भाव विभोर

तिंरगा रैली का माहौल देखते ही बन रहा था कि ज़िला पंचायत सीईओ अविनाश मिश्रा ने अपने वाहन को रोककर रैली में शामिल हुए और बच्चो के नृत्य को सराहा, काफी समय स्टेशन चौंक पर रैली में बिताया। उन्होंने बच्चों के जज्बे को झंडा फहरा कर सलाम किया।

भारी बरसात में भी गूंज उठा देशभक्ति का नारा

शनिवार को सुबह से ही लगातार भारी बरसात हो रही थी जिसके कारण पूरा जन जीवन ठप्प पड़ गया था लेकिन संस्कार पब्लिक स्कूल के बच्चों और विप्र फाउंडेशन के सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं हुआ बल्कि उन्होंने बरसात को उत्साह का माध्यम बनाते हुए और जोर शोर से देशभक्ति के जयकारे लगाए। वास्तव में सभी का कहना था कि सालों बाद ऐसी रैली हुई हैं जिसमें बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, सामाजिक संस्थाएं एकजुट हो कर शामिल हुए और आजादी का महत्व आने वाली पीढ़ी को बताने का बेहतरीन प्रयास किया गया।

चंडीगढ़ में बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, क्रिकेट स्टेडियम में 7000 छात्रों ने बनाया ह्यूमन तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआइबी)। आगामी 15 अगस्त को देश की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर देशभर में आज से हर घर तिरंगा यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच चंडीगढ़ में तिरंगा को लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। जानकारी के अनुसार, यहां एक क्रिकेट स्टेडियम में ह्यूमन चेन के साथ तिरंगा लहराया गया। इस तिरंगे में 7000 छात्रों ने ह्यूमन चेन बनकर वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी भूमिका निभाई। 15 अगस्त को देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो जाएंगे। इसलिए इस साल केंद्र सरकार की मुहिम के तहत देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव

मनाया जा रहा है। आज से हर घर तिरंगा यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इस बीच चंडीगढ़ में सेक्टर 16 स्थित क्रिकेट स्टेडियम में सबसे बड़े ह्यूमन चेन के साथ तिरंगा लहराया गया। इस चेन में 7000 छात्रों ने भाग लिया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री मीनाक्षी लेखी, चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित और पहलवान योगेश्वर दत्त (ओलंपिक पदक विजेता) एनआईडी फाउंडेशन और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्टेडियम पहुंचे। पुरोहित ने सभी प्रतिभागियों को इस उपाधि को प्राप्त करने के लिए बधाई दी और लोगों से अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया। छात्रों ने हवा में तिरंगे जैसी आकृति भी बनाई, जबकि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम की मौजूदगी में खुद को ह्यूमन तिरंगा के लिए कतारबद्ध किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एडजुडिकेटर के एक अधिकारी स्वप्निल डांगरीकर, जो इस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, ने रिकॉर्ड का सत्यापन किया और कहा, राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए सबसे बड़ी मानव छवि के लिए पिछला विश्व रिकॉर्ड अबूधाबी में जीईएमएस एजुकेशन के नाम था। जिसे चंडीगढ़ में बनी इस ह्यूमन चेन ने तोड़ दिया है।

पिछला रिकॉर्ड कब बना था

संयुक्त अरब अमीरात ने 2017 में 4130 लोगों के साथ ह्यूमन राष्ट्रीय ध्वज के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि विश्व रिकॉर्ड के सफल निर्माण के साथ भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर पूरी दुनिया को एक महान संदेश दिया है। यह आयोजन मेरी कल्पना से भी बड़ा हो गया है। मैं चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के चांसलर और एनआईडी फाउंडेशन के प्रमुख संरक्षक एस सतनाम सिंह संधू को हार्दिक बधाई देता हूं, जिनकी टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है।

जांजगीर में सुपर मार्केट की तर्ज पर खुला देशी सी-मार्ट विधानसभा अध्यक्ष महंत ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। सी-मार्ट (छत्तीसगढ़-मार्ट) यानी की एक ऐसा बाजार जहां पर सभी प्रोड्क्टस एक ही छत के नीचे मिलेंगे और यह उत्पाद किसी बड़े दुकानदार से नहीं बल्कि उन महिलाओं, शिल्पिकार, बुनकर, दस्तकर, कुम्भकर और अन्य पारंपरिक एवं कुटीर उद्योग से खरीदे जाएंगे जो गांव में तैयार किये जाते हैं। यह वह महिलाएं, संस्था हैं जो गांव में रहते हुए स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष ने जिले का पहला सी-मार्ट का लोकार्पण किया। यह सी-मार्ट जांजगीर के ह्रदय स्थल कचहरी चौक के पीछे बनाए गए जिम, लाइब्रेरी भवन में संचालित है। जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीण कामकाजी महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की मंशानुरूप ही जिले में सी-मार्ट बनने से अब एक ही छत के नीचे राशन सहित विभिन्न स्थानीय उत्पाद बाजार से किफायती दरों पर उपलब्ध होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री महंत रामसुन्दर दास, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यनीता चन्द्रा, उपाध्यक्ष श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला अध्यक्ष भगवानदास गढेवाल, सदस्य अन्य भवन सन्निर्माण कर्मकार मण्डल श्रीमती मंजू सिंह, नैला मंडी अध्यक्ष ब्यासनारायण कश्यप, कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा, एसपी विजय अग्रवाल, डीएफओ सौरभ सिंह, डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी, सर्वश्री रमेश पैगवार, दिनेश शर्मा, सूरज महंत, रवि पांडेय, श्रीमती शेषराज हरबंश, श्रीमती पुष्पा पाटले, देवेश सिंह एवं पार्षदगण सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

खास-खबर

गाय से टकराकर घायल हुआ युवक बाइक और मोबाइल को ले गए चोर

बिलासपुर (ए)। बाइक से बाजार जाते समय युवक सड़क पर बैठी गाय से टकरा गया। गिरने से उसके सिर पर गंभीर चोट लगी। इससे युवक बेहोश हो गया। इस दौरान किसी ने उनकी मोटरसाइकिल और मोबाइल को पार कर दिया। पीड़ित को होश आया, तब चोरी के बारे में पता चला। पीड़ित की शिकायत पर सरकंडा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। सीपत थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेलर के रहने वाले अश्वनी कुमार साहू अपोलो अस्पताल सरकंडा में सुरक्षाकर्मी हैं। वे सात अगस्त की रात आठ बजे बड़ा गिरजा घर की तरफ से व्यापार विहार सामान लेने जा रहे थे। गिरजाघर मोड़ के पास बीच सड़क पर बैठी गाय से टकराकर मोटरसाइकिल समेत गिर गए। इससे अश्वनी के सिर, हाथ व पैर में गंभीर चोट लगी। जिससे वह बेहोश हो गया। रात तीन बजे तक अश्वनी के मदद करने कोई नहीं आया। रात तीन बजे अचानक होश आया। इस बीच उनका दोस्त रमेश कुमार सिरगिट्टी स्थित ऑफिस से काम निपटाकर घर जा रहा था। वह अश्वनी को देखकर रुक गए। घटना स्थल से मोटरसाइकिल व मोबाइल गायब थे। इसके बाद दोस्त रमेश कुमार ने घायल अश्वनी को अपोलो में भर्ती कराया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पीड़ित सरकंडा थाना में मोटरसाइकिल व मोबाइल चोरी होने की सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है।

दुलारपाली चौक के पास 2 बाइक आपस में टकराई, सवार 3 गंभीर रूप से घायल

महासमुंद। दशगात्र कार्यक्रम से वापस लौट रहे तीन बाइक सवार सड़क हादसे में घायल हो गए। ये घटना सरायपाली थाना क्षेत्र सरसींवा रोड ग्राम दुलारपाली चौक का है। पुलिस के अनुसार ग्राम रोहिना निवासी राजेन्द्र सेठ, भारती सेठ एवं दुखनाशन सेठ अपनी बाइक सीजी 06 ए 3706 में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने अपने ससुराल ग्राम धुमाभाठा ओडिशा गए थे। दशगात्र कार्यक्रम के बाद 7 अगस्त को वापस अपने गांव रोहिना आ रहे थे। शाम 5 बजे के आसपास दुलारपाली चौक के पहले विपरित दिशा सागरपाली की ओर से आ रही बाइक सीजी 06 पीए 5814 के चालक मुलचंद सिदार ग्राम कोटेनदरहा ने वाहन को तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 5 लाख का इनामी ढेर, 20 से ज्यादा वारदातों में रहा शामिल

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा जिले में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में जवानों ने 5 लाख रुपए के एक इनामी माओवादी को ढेर किया है। मारे गए माओवादी शव को लेकर डीआरजी जवान जिला मुख्यालय पहुंचे। मृत माओवादी की पहचान कोसा माड़वी के रूप में हुई है। यह नक्सलियों की कटेकल्याण एरिया कमेटी सदस्य के रूप में सक्रिय था। दंतेवाड़ा जिले के अलग-अलग थानों में करीब 20 से ज्यादा नामजद अपराध दर्ज थे। मामला कटेकल्याण थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा पुलिस को सूचना मिली थी कि एटेपाल और जोयकोड़ता के जंगल में भारी संख्या में हथियार बंद माओवादी मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर डीआरजी के जवानों को मौके पर रवाना किया गया था। जवान जब एटेपाल की पहाड़ी पर पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद माओवादियों ने जवानों को देख फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी एक नक्सली कोसा माड़वी को ढेर कर दिया। जवानों को भारी पड़ता देख माओवादी जंगल का सहारा लेकर भाग निकले। करीब 45

मिनट तक चली मुठभेड़ के बंद होने के बाद इलाके की सर्चिंग की गई। मौके से एक नक्सली के शव समेत 12 बोर कट्टा, जिंदा कारतूस, कॉर्डेक्स वायर, टिफिन बम, फटाका समेत भारी मात्रा में दैनिक उपयोग के सामान बरामद किए गए हैं। दंतेवाड़ा के एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि एनकाउंटर में ढेर माओवादी मैलावाड़ा आईईडी ब्लास्ट की घटना में शामिल था। इस घटना में 7 जवानों की शहादत हुई थी। इसके अलावा कई बड़े वारदातों में शामिल रहा है।

अब तक 9 ढेर

दंतेवाड़ा के एसपी ने बताया कि, पिछले कुछ महीनों में जिले में 10 से ज्यादा मुठभेड़ हुई है। इनमें 41 लाख रुपए के 9 माओवादियों को ढेर कर दिया गया है। मारे गए माओवादियों में कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें 7 माओवादी एसीएम यानी एरिया कमेटी मेंबर और 2 अन्य हैं। एसीएम पर 5-5 लाख और अन्य 2 माओवादियों पर 3-3 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस इसे इस साल की बड़ी कामयाबी मान रही है।

छत्तीसगढ़ में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

कपड़े सुखा रही मां करंट की चपेट में आई, बचाने गए 2 बच्चे भी झुलस गए

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां करंट की चपेट में आने से मां और उसके 2 बच्चों की मौत हो गई। घटना के वक्त महिला कपड़े सुखा रही थी। उसी दौरान वह झुलस गई। उसे ही देखकर उसके बेटा-बेटी बचाने गए थे। मगर वह भी झुलस गए हैं। हादसा सिमगा थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, दामाखेड़ा गांव में कमलेश्वरी देवांगन अपने परिवार के साथ रहती थी। उसका एक बेटा और एक बेटी थी। बेटे के नाम शेष कुमार (14 वर्ष) और बेटी का नाम जया देवांगन (12 वर्ष) था। रोज की तरह कमलेश्वरी घर के आंगन में कपड़े डालने वाले तार पर कपड़े सुखा रही थी। उसी दौरान वह अचानक से छटपटाने लगी।

ये देखकर पहले उसका बेटा उसे बचाने दौड़ा। वहीं पास खड़ी बेटी भी मां को बचाने दौड़ गई। मगर मां बुरी तरह झुलस गई थी। मां को बचाने के चक्कर में बच्चे भी झुलस गए। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था। इधर जब दोपहर को घर के लोग वापस घर आए तब उन्होंने तीनों की लाश जमीन पर पड़ी देखी। जिसके बाद पुलिस को इस घटनाक्रम की जानकारी दी गई। फिर शवों को पीएम के लिए भेजा गया है।

तार गीला होने की वजह से हादसा

दरअसल, बलौदाबाजार समेत कई जगह पर पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। यही वजह थी कि तार गीला था। उसके बगल से ही कोई बिजली का तार गया था। आशंका जताई जा रही है कि बिजली के तार का ही करंट उस तार में गया होगा। जिसके कारण ये हादसा हुआ है। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

नेवी में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी

युवक से ले लिए लाखों रुपए मगर दिया धोखा, एक और शख्स से भी ठगे थे पैसे, गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। जांजगीर-चांपा जिले में नेवी में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने कुछ साल पहले एक युवक से वादा किया था कि मैं तुम्हारी नौकरी नेवी में लगवाा दूंगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा उसी आरोपी ने एक और शख्स से भी पैसे लिए थे। कुल मिलाकर लगभग 6 लाख रुपए की ठगी की गई थी। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र का है।

इस केस में पीड़ित युवक के भाई ताराचंद सिदार ने थाने में शिकायत की थी। उसने अपनी शिकायत में बताया कि बाराद्वार बस्ती निवासी पवन गुप्ता ने उसके भाई की नौकरी नेवी में लगाने के लिए 4 साल पहले 3 लाख 67 हजार लिए थे। मगर उसने नौकरी नहीं लगवाई थी। पैसे भी वापस नहीं कर रहा है। ताराचंद की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पवन गुप्ता के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया था।

पुलिस ने मामले में जांच की तो पता चला कि उसने अकलतरा निवासी एक युवक से भी 2.5 लाख रुपए की ठगी की है। इस प्रकार उसने लगभग 6 लाख रुपए की ठगी की थी। दोनों ही मामले में शिकायत दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवक को अब गिरफ्तार कर लिया है।

महिला की हत्या व 80 हजार चोरी केस में 2 भाई गिरफ्तार

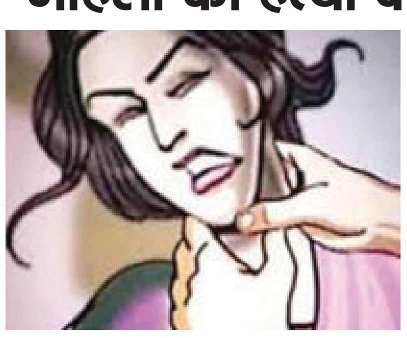

महिला का सिर कुचला बच्ची को मारा चाकू

शनिवार को एएसपी मेघा टेंभुरकर ने बताया कि मुकेश व उसका छोटा भाई मृतका जयंती सिन्हा के घर दीवार कूदकर चोरी करने घुसे थे। कमरे में गए तो कुछ नहीं मिला। दोनों भाई बाहर निकल रहे थे, तभी जयंती ने दोनों को देख लिया तो दोनों ने महिला को रसोई के कमरे में मुंह और नाक को दबाकर रखा। वह बेहोश हो गई। दोनों पक्के मकान में चोरी करने घुसे। उसी समय 2 साल की संध्या रोने लगी। दोनों रसोई में आए। छोटे भाई ने बच्ची के मुंह को दबाए रखा। मुकेश ने सिल पत्थर से जयंती के सिर को कुचल दिया। बच्ची की गर्दन में चाकू से हमला किया। फिर दीवान में पेटी से नकद 10 हजार व 70 हजार के गहने निकालकर फरार हो गए।

धमतरी (ए)। शहर से 10 किमी दूर देमार में 80 हजार की चोरी के बाद बुजुर्ग महिला की हत्या की गई थी। 6वें दिन पुलिस ने खुलासा किया। हत्यारे गांव के ही 2 सगे भाई निकले, इनमें एक नाबालिग है। दोनों ने चोरी के बाद गहने तालाब के किनारे छुपाए, जबकि नकद रुपए खाने-पीने में खर्च किए। पकड़े जाने पर बोले कि रक्षाबंधन पर पैसे नहीं थे इसलिए चोरी करने गए थे।

8 अगस्त को देमार में जयंती (51) पति ईश्वर सिन्हा की हत्या हो गई। अर्जुनी पुलिस छानबीन में जुटी। मुखबिरों से सूचना मिली कि 2 सगे भाई चोरी की प्लानिंग कर रहे थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर मुकेश (21) पिता नरेश बंजारे और उसके नाबालिग छोटे भाई को हिरासत में लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि चोरी योजना बनाकर की गई।

ईरानी गिरोह पर संदेह: सूने मकान से 4.37 लाख की चोरी, कैमरे में दिखे दो चोर

धमतरी (ए)। अर्जुनी थाने से 500 मीटर दूर श्याम रेसीडेंसी में राइस मिलर पवन गोयल के मकान नंबर 14 में शुक्रवार की रात 4.37 लाख की चोरी हो गई। घर के बाहर लगे कैमरे में 2 चोर अलसुबह 4.50 बजे ताला तोड़कर अंदर घुसते और 5.30 बजे घर से बाहर जाते दिखे हैं। करीब 40 मिनट में चोरी की। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने ईरानी गिरोह पर संदेह जताया है। चोरों ने 12 किलो वजनी तिजोरी को निकाला। नकद और जेवर निकाले। तिजोरी को घर के पीछे फेंक गए। घर के मालिक ने कोतवाली थाने शाम 4 बजे आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने घर से 2 लाख 51 हजार नकद व 1 लाख 86 हजार के गहने कुल 4.37 लाख की चोरी बताई है। 12 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे पनव गोयल घर पर ताला लगाकर बच्चों से मिलने पत्नी अंजना गोयल के साथ रायपुर गए थे। दूसरे दिन शनिवार को सुबह 10 बजे उन्हें पड़ोसी ने घर का ताला टूटने की सूचना दी। बच्चे और पत्नी के साथ रायपुर से दोपहर 12 बजे धमतरी घर लौटे। मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था। घर के मेन दरवाजे को किसी नुकीले हथियार से मारकर तोड़ा गया है। घर के अंदर गए, तो आलमारी टूटी मिली। बेडरूम का सभी सामान बिखरा मिला। तिजोरी गायब थी। घर के छत पर चढ़कर पीछे देखा तो दीवार के किनारे तिजोरी पड़ी थी।

राइसमिलर पवन गोयल ने बताया कि 6 महीने पहले ही मकान खरीदा था। रायपुर व धमतरी में 2 जगह मकान है। घर से बाहर जाने की जानकारी किसी को नहीं दी थी। इधर वारदात में रेकी और फिर योजना बनाकर चोरी किए जाने की संभावना जताई गई है। चोरों को पता था कि 12 अगस्त को घर में कोई नहीं था। कमरे में कैश व गहने हैं। तिजोरी है। घर में 4 कमरे है, लेकिन जिस बेडरूम में कैश, गहने थे, उसी का दरवाजा तोड़ा गया है।

आपसी विवाद के चलते युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई (ए)। दुर्ग शहर में आपसी विवाद के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। जिस समय यह हत्या हुई डायल 112 की टीम 100 मीटर दूर पर तमाशबीन बनी खड़ी थी। उनकी आखों के सामने आरोपी हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बाद में मौके पर पहुंची दुर्ग कोतवाली पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्ग कोतवाली टीआई एसएन सिंह ने बताया कि वार्ड-47 रायपुर नाका दुर्गा मंदिर निवासी विनोद नायक पिता हृदय लाल (24 वर्ष) अपने साथी शंकर पारा निवासी भानू तांडी और यशवंत देशमुख के साथ शनिवार शाम घर से निकला था। तीनों गंजपारा पहुंचे और एक जगह पर बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान मिलपारा वार्ड 38 निवासी देवेंद्र ठाकुर (19 साल) उसके साथी रमेश कुमार वर्मा (27 साल), दीपेश यादव (19 साल) और गणेश साहू (25 साल) एकराय होकर उनके पास पहुंचे। इससे पहले की विनोद व उसके साथी कुछ समझ पाते उन लोगों ने लाठी डंडे से उन्हें पीटना शुरू कर दिया।

नाले के तेज बहाव में फंसा युवक, डूबने से मौत: दो दिन की तलाश के बाद एसडीआरएफ की टीम ने शव को निकाला बाहर

भिलाई। भिलाई तीन थाना अंतर्गत ग्राम उरला स्थित नाले के तेज बहाव में फंसकर एक युवक शुक्रवार डूब गया। लोगों की शिकायत के बाद एसडीआरएफ की टीम शव को खोजने नाले में उतरी। दो दिन की खोजबीन के बाद शनिवार को युवक का शव बरामद किया गया।

भिलाई तीन पुलिस के मुताबिक उन्हें कल शाम को सूचना मिली थी कि कोई युवक उरला स्थित नाले में बह गया है। वहां जाकर देखा तो नाले में बाढ़ के पानी का काफी तेज बहाव था। पूछताछ में लोगों ने बताया कि दादर रोड चरोदा का रहने वाला

सिद्धार्थ ढोल पिता शंकर ढोल (23 वर्ष) नाले में डूबा है। वह सब्जी का व्यवसाय करता था। वह नहाने के लिए नाला आया था। नहाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में फंस गया। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ को फोन करके सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अंधेरा होते तक खोजबीन करने के बाद भी शव नहीं मिला।

दूसरे दिन कई घंटे बाद मिला शव

शनिवार सुबह एसडीआरएफ की टीम फिर से मौके पर पहुंची। इसके बाद कई घंटे की खोजबीन के बाद शव नाले के गहरे पानी से निकाला गया। पुलिस ने परिजनों को बुलाया। शव की पहचान करने के पंचनामा कार्रवाई कर उसे पीएम के लिए भेजा गया है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

15 अगस्त

शहादत, समर्पण, त्याग खून और पसीने से सिंचित

75 बरस के सफर को सलाम

अपने हाथों में 'तिरंगा' थामे हमारे पुरखों ने भयंकर यातनाएं सहीं, शहादत दी, पर भारत को आजादी दिलाने का संकल्प पूरा किया। 75 वर्षों की यात्रा में 'तिरंगा' हमारी आन-बान-शान और प्रेरणा का प्रतीक बना रहा। आजादी का अमृत महोत्सव एक गौरवशाली पड़ाव है, जहां से हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। अपने महान लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करते हुए 'नया भारत' और 'नवा छत्तीसगढ़' गढ़ना है। मुझे गर्व है कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण तथा समावेशी विकास का मॉडल सफलता के नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

स्वतंत्रता जिंदाबाद! लोकतंत्र जिंदाबाद! संविधान जिंदाबाद!

जय हिन्द! जय छत्तीसगढ़ महतारी!

भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-33525/16

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950